www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, सोमवार, 01 जून 2026 शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 112 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

रायपुर में बनेगा अत्याधुनिक जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क, सराफा कारोबार को मिलेगी नई पहचान, 10 एकड़ भूमि को मिली मंजूरी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सराफा कारोबार और आभूषण निर्माण उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक सौगात सामने आई है। राज्य सरकार ने राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में 10 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क विकसित करने की मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से प्रदेश के सराफा व्यापार को नई पहचान मिलने के साथ-साथ हजारों कारीगरों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सराफा समाज की मांग पूरी: छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे सराफा समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के व्यापारिक और औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

एक ही परिसर में मिलेंगी सभी आधुनिक सुविधाएं: प्रस्तावित जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क को एक आधुनिक एवं समग्र व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां सोने-चांदी के आभूषणों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क से प्रदेश को नई पहचान

व्यापारिक संगठनों का मानना है कि, जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क के निर्माण से छत्तीसगढ़ में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा प्रदेश सराफा कारोबार के क्षेत्र में एक बड़े केंद्र के रूप में उभरकर सामने आएगा।

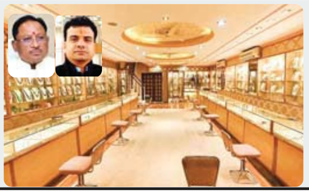

रोजगार और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

इस परियोजना से प्रदेश के हजारों स्वर्णकारों, कारीगरों और युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। साथ ही पार्क में कौशल विकास और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाने का भी प्रस्ताव है, जहां स्थानीय कारीगरों को आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जून में होगा सराफा समाज का महा सम्मेलन

प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने बताया कि, इस ऐतिहासिक निर्णय के स्वागत में जून माह में सराफा समाज द्वारा भव्य महा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों का नागरिक अभिनंदन भी किया जाएगा।

आज बेबाक

गोरे अंग्रेजों का मनोरंजन गृह रहा दिल्ली जिमखाना क्लब जो आजादी के बाद काले अंग्रेज़ों के लिए अय्याशी का अड्डा बन गया था उस पर अलीगढ़ का बड़ा ताला लटकने वाला है। गुलामी की एक और वाहियात निशानी को मिटाने की कवायद की जा रही है। इससे अभिजात्य वर्ग की पेट में मरोड़ उठना स्वाभाविक है। किरण बेदी इस क्लब को अपना दूसरा घर बता रही हैं और इसको बेदखली का नोटिस दिए जाने पर टसुए बहा रही हैं। मैडम को पता नहीं कि वो दिन हवा हुए जब उन जैसों का बदबूदार पसीना गुलाब होता था।

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का पदभार संभाला

नई दिल्ली। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे सीडीएस है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं।

भारतमाला-मार्ग पर मृत मवेशी रख वाहन चालकों से लूट

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा में भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन उरगा-बिलासपुर मार्ग पर असामाजिक तत्वों का आतंक बढ़ गया है। टोल चालू न होने के बावजूद, इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों से 'टेरर टैक्स' की वसूली की जा रही है। हाल ही में, दबंगों ने मृत मवेशियों को सड़क पर रखकर वाहन चालकों से जबरन वसूली की, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। रविवार को एमपी नगर की पूर्व पार्षद आशा जायसवाल की बेटी रायपुर जा रही थीं। भारतमाला मार्ग पर कुछ दबंगों ने सड़क पर मृत मवेशी रखकर उनका रास्ता रोक दिया और उनसे जबरन पैसे वसूलने की कोशिश की।

गरमा-गरम

हादसा : 500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत, दुर्घटना की जानकारी जीपीएस से मिली

भिलाई के 4 लोगों की हिमाचल प्रदेश में मौत, बेंगलुरु में रहता था परिवार

रायपुर/नवप्रदेश। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में घूमने गए बेंगलुरु के 2 परिवारों की खुशियां सड़क हादसे में मातम में बदल गईं। बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर एक अर्टिगा कार करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 2 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छत्तीसगढ़ के भिलाई के एक परिवार के 4 लोग शामिल है।

भिलाई में मृतकों के परिवार से बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। दंपती अपने बच्चों के साथ बेंगलुरु में रहते थे, वहीं जॉब कर रहे थे। यह सभी पर्यटक बेंगलुरु से हिमाचल प्रदेश घूमने आए थे और बर्फबारी का आनंद लेने साच पास जा रहे थे।

मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा चंबा जिले के चुराह उपमंडल के कालावन क्षेत्र के पास शुक्रवार रात को हुआ है। दोनों परिवारों ने डलहौजी से एक टैक्सी बुक की थी और साच पास इलाके में बर्फ और प्राकृतिक सौंदर्य देखने के लिए रवाना हुए थे। देर रात कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। खाई की गहराई ज्यादा होने के कारण कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जीपीएस लोकेशन से हुआ हादसे का खुलासा

जब टैक्सी देर रात तक डलहौजी नहीं लौटी तो वाहन मालिक को अनहोनी की आशंका हुई। उसने वाहन की जीपीएस लोकेशन जांची, जो कालावन क्षेत्र के पास एक ही स्थान पर स्थिर दिखाई दे रही थी। काफी देर तक कोई गतिविधि नहीं मिलने पर स्थानीय स्तर पर खोजबीन शुरू की गई। शनिवार दोपहर वाहन के खाई में गिरने की जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।

कार में 8 लोग सवार थे

पुलिस के अनुसार लोगों की पहचान ड्राइवर विश्वास सल्होता निवासी बस्ती ज्वाला, बनीखेत (चंबा), अरविंद चंद्राकर निवासी कडुगोड़ी, बेंगलुरु, उनकी पत्नी प्राची, बेटे दर्श और अक्षद, पी.जी. कार्तिघायन निवासी व्हाइट फील्ड, कर्नाटक, उनकी पत्नी मनीमाला और बेटे नंदन के रूप में हुई है।

दुर्ग पुलिस को मिली सूचना

हिमाचल पुलिस ने हादसे की जानकारी दुर्ग पुलिस को भी दी है। इसके बाद दुर्ग पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दी। बताया जा रहा है कि परिवार के कुछ सदस्य हिमाचल के लिए रवाना हो चुके हैं। दुर्ग जिले के निवासी मृतक का परिवार लंबे समय से बेंगलुरु में रहकर नौकरी कर रहा था।

भिलाई का परिवार होने की जानकारी

शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृतकों में भिलाई के अरविंद चंद्राकर, उनकी पत्नी पिंकी चंद्राकर, उनके दो बच्चे और परिवार के सदस्य शामिल बताए जा रहे हैं। परिवार लंबे समय से बेंगलुरु में रहकर नौकरी कर रहा था।

तेज आंधी-तूफान के दौरान पेड़ की डाल गिरने से तीन युवकों की मौत

■ कलेक्टर ने अफसरों को राहत सहायता के दिए निर्देश

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोरका दांड में शनिवार शाम तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के दौरान एक दुखद दुर्घटना में तीन युवकों की मृत्यु हो गई।

मौसम खराब होने और तेज बारिश से बचने के लिए तीनों युवक एक बड़े पेड़ के नीचे रुके थे। इसी दौरान पेड़ की भारी डाल टूटकर उन पर गिर गई, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतकों में शिवराम टेकाम (14 वर्ष), कमलेश बड़ा (18 वर्ष) एवं दिनेश तिर्की (17 वर्ष) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई। घटना की जानकारी प्राप्त होने पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने संबंधित अधिकारियों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सहायता राशि देने प्रकरण तैयार किया जा रहा

राजस्व अधिकारियों ने बताया कि आरबीसी 6-4 के अंतर्गत राहत सहायता प्रदान करने के लिए प्रकरण तैयार किया जा रहा है तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्धारित राहत राशि मृतकों के परिजनों को प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम, तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के दौरान पेड़ों तथा असुरक्षित स्थानों के नीचे खड़े होने से बचें तथा सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें।

इजराइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा

■ सैनिकों ने पहाड़ी पर झंडा फहराया, 26 साल में सबसे बड़ी घुसपैठ

तेल अवीव/तेहरान। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इजराइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजराइली झंडे लहराते दिखाई दिए।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है।

ब्यूफोर्ट किला 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर इजराइली कब्जे के दौरान उसकी सेना का एक प्रमुख सैन्य अड्डा था। 700 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बने इस किले से दक्षिणी लेबनान के अलावा इजराइल के बड़े हिस्से पर नजर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए

काठमांडू/ए.। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। बालेन पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। भारत-चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा मार्ग से होने वाले व्यापार पर शाह ने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा। नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राष्ट्रपति सचिवालय से आया डॉ. चरणदास महंत के पत्र का जवाब

■ महंत बोले- बड़े बांध ठेके पर, आदिवासी मजदूर बने, कानूनी अधिकार नहीं मिला

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वन क्षेत्रों के जलाशयों पर आदिवासियों के अधिकार का मुद्दा अब राष्ट्रपति सचिवालय तक पहुंच गया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने वन अधिकार कानून को लेकर राष्ट्रपति को पत्र लिखा था, जिसका जवाब राष्ट्रपति सचिवालय से आया है। इसे लेकर महंत ने कहा कि राज्य में आदिवासियों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

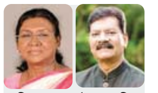

विधानसभा से राष्ट्रपति तक उठाया मुद्दा

चरणदास महंत ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर पहले मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और विधानसभा में भी सवाल उठाए थे। जवाब में यह सामने आया कि वन अधिकार अधिनियम की धारा 3(1)(घ) के तहत आदिवासियों को अधिकार नहीं दिए गए हैं। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की।

1.58 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र का जिक्र

डॉ. महंत ने अपने पत्र में कहा है कि छत्तीसगढ़ की वन भूमि में करीब 1.58 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र है। इन जलाशयों से 50 हजार से अधिक आदिवासी और पारंपरिक वन निवासी परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसके बावजूद राज्य की मौजूदा मछली नीति के तहत 1000 हेक्टेयर से बड़े जलाशयों को टेंडर के जरिए बाहरी ठेकेदारों को सौंपा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे स्थानीय आदिवासी समुदाय अपने सामुदायिक अधिकारों से वंचित हो रहा है और उन्हीं जलाशयों में मजदूरी करने को मजबूर है।

जनता के प्रति संवेदनशीलता ही सुशासन: साय

■ बेमेतरा में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था की व्यापक समीक्षा

दुर्ग/नवप्रदेश। शासन-प्रशासन की सफलता का वास्तविक पैमाना जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता, जवाबदेही और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता है। अधिकारी आमजन की समस्याओं को केवल सुनें ही नहीं, बल्कि उनका त्वरित और प्रभावी निराकरण भी सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम साय का मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को मजबूत और भरोसेमंद मंच बनाने पर जोर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को एक मजबूत, प्रभावी और भरोसेमंद मंच के रूप में विकसित कर रही है, जहां नागरिक सरलता से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की निगरानी उच्च स्तर पर की जाएगी, जिससे अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम करने का सशक्त माध्यम बनेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण और जवाबदेही पर सख्ती

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देते हुए समय-सीमा से बाहर तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख सुधार जैसे मामले सीधे नागरिकों के अधिकारों और जीवन से जुड़े होते हैं, इसलिए इनके निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व अभिलेखों में त्रुटियों के सुधार तथा जानबूझकर गलतियां करने वाले पटवारियों एवं संबंधित कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

सामूहिक विवाह : बैलगाड़ी से निकली विधायक की बारात, डिप्टी सीएम अरुण साव ने थामी बैलों की लगाम

भाजपा विधायक दीपेश की सामूहिक-विवाह में शादी

■ छाता-गद्दे और कुर्सियां ओढ़कर खुद को बचाते दिखे दूल्हा-दुल्हन

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा से भाजपा विधायक दीपेश साहू की आज सामूहिक विवाह समारोह में शादी हो रही है। सरकारी शिक्षक से राजनीति में आए दीपेश, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में बीपीएल परिवार की तरुणा साहू के साथ सात फेरे लिए। विधायक समेत 21 जोड़ों का विवाह हुआ।

विधायक का कहना है कि योजना के तहत मिलने वाली राशि वे अपने पास नहीं रखेंगे, बल्कि उसे मेधावी छात्राओं की पढ़ाई पर खर्च करेंगे। सभी दूल्हे ई-रिक्शे से सर्किट हाउस तक पहुंचे। इसके बाद विधायक समेत सभी दूल्हों की बारात बैलगाड़ी से निकली। पारंपरिक परी डांस भी हुआ।

फेरों और रस्मों के बीच अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। जिससे बचने के लिए वहां पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ऐसे में सिर पर सेहरा सजाए दूल्हे और सज-धजकर बैठी दुल्हनें खुद को भीगने से बचाने के लिए जो हाथ लगा, उसे ओढ़ते नजर आए। पानी से बचने के लिए कई जोड़ों और उनके परिजनों ने जमीन पर बिछे गद्दों और बैठने के लिए रखी प्लास्टिक की कुर्सियों को ही अपने सिर पर रख लिया। कुछ लोग तिरपाल और छातों के सहारे खुद को बारिश से बचाते दिखे।

योजना की राशि मेधावी छात्राओं की पढ़ाई पर करुंगा खर्च: दीपेश साहू

विधायक श्री साहू ने कहा कि, योजना के तहत मिलने वाली राशि वे अपने पास नहीं रखेंगे, बल्कि उसे मेधावी छात्राओं की पढ़ाई पर खर्च करेंगे। सभी दूल्हे ई-रिक्शे से सर्किट हाउस तक पहुंचे। इसके बाद विधायक समेत सभी दूल्हों की बारात बैलगाड़ी से निकली। पारंपरिक परी डांस भी हुआ।

टीएमसी सांसद अभिषेक पर हमले में पांच गिरफ्तार

■ हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती, भाजपा नेताओं-अफसरों ने डिस्चार्ज का दबाव बनाया: ममता

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई।

ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के डीसीपी ने अस्पताल पर दबाव डाला

हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

80वीं वाहिनी सीआरपीएफ ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान, मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में दिया स्वच्छता का संदेश

- **स्थापना दिवस पर जवानों और नागरिकों ने मिलकर की साफ-सफाई**
- **स्वच्छ वातावरण के लिए जनभागीदारी और जागरूकता पर दिया गया जोर**

जगदलपुर/नवप्रदेश। 80वीं वाहिनी सीआरपीएफ के 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान मंदिर परिसर,मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई की गई। इस दौरान जवानों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। अभियान का उद्देश्य आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करना रहा।

स्वच्छता अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को साफ-सफाई के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि स्वच्छ वातावरण न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से आवश्यक

है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी हिस्सा है। लोगों से अपने घर, गांव,मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया,ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ स्वच्छ और सुंदर वातावरण का निर्माण किया जा सके। कार्यक्रम में 80वीं वाहिनी सीआरपीएफ के कमांडेंट जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में द्वितीय कमान अधिकारी ओम कुमार गुप्ता,अधिकारी पुरुषोत्तम कुमार, सहायक कमांडेंटअधीनस्थ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

80वीं वाहिनी सीआरपीएफद्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान में जवानों और स्थानीय नागरिकों ने सामूहिक सहभागिता निभाते हुए स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संदेश दिया। मंदिर परिसर में साफ-सफाई के साथ लोगों को यह प्रेरणा दी गई कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व को रेखांकित किया गया।

लोकमान्य तिलक वार्ड के कंगोली बूथ में सामूहिक रूप से सुना गया 'मन की बात' का 134वां संस्करण

जगदलपुर/नवप्रदेश। लोकमान्य तिलक वार्ड के कंगोली बूथ में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण का सामूहिक श्रवण उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं बूथ कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को गंभीरता से सुना गया तथा उनके विचारों और संदेशों पर चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रोहन घोष का स्वागत आत्मीय माहौल में किया गया। आयोजन स्थल पर पहुंचे बूथ सदस्यों का पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह और सहभागिता का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जनहित और सामाजिक जागरूकता से जोड़ते हुए चर्चा की। इस अवसर पर 'सरल एप' और 'नमो एप' के प्रभावी उपयोग एवं उनकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों के जरिए संगठनात्मक गतिविधियों और जनहित संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही तकनीक के माध्यम से आमजन से संवाद और संपर्क मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

हल्की हवा में ठप हुई बिजली व्यवस्था, पांच घंटे तक गर्मी और मच्छरों से जूझते रहे रहवासी

रातभर अंधेरे में डूबी न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी

- **ट्रांसफार्मर ब्लास्ट से सैकड़ों परिवार परेशान**
- **विद्युत आपूर्ति पर सवाल– कॉलोनी के लिए निर्धारित सब सेंटर से अन्य क्षेत्रों में सप्लाई के आरोप**

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्रपति शिवाजी वार्ड स्थित न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में शनिवार रात बिजली संकट ने सैकड़ों परिवारों की रात बेचैनी में गुजार दी। रात लगभग 10 बजे अचानक विद्युत वितरण सब सेंटर का ट्रांसफार्मर ब्लास्ट होने के बाद पूरी कॉलोनी अंधेरे में डूब गई। बताया जा रहा है कि हल्की हवा चलने के दौरान तकनीकी खराबी के कारण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे करीब 400 आवासों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। भीषण गर्मी,उमस और मच्छरों के बीच कई परिवारों को पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ी।

स्थानीय रहवासियों के अनुसार बिजली गुल होने के बाद लंबे समय तक राहत नहीं मिलने से लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। जिन घरों में इन्वर्टर अथवा वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी, वहां छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। रात गहराने के साथ लोगों का गुस्सा विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति बढ़ता गया और व्यवस्थागत लापरवाही को लेकर सवाल उठने लगे। रात करीब 12 बजे के बाद सहायक अभियंता स्तर पर तकनीकी टीम और लाइनमैनों ने मौके पर पहुंचकर फॉल्ट सुधारने का प्रयास तेज किया। करीब आधा दर्जन कर्मचारियों ने कई घंटों तक मेहनत कर बाधित आपूर्ति बहाल की,जिससे कुछ देर के लिए लोगों को राहत मिली,लेकिन कुछ ही मिनट बाद फिर बिजली बाधित होने से नाराजगी और बढ़ गई। अंततः भोर लगभग साढ़े तीन बजे आपूर्ति सामान्य होने पर कॉलोनीवासियों ने राहत की सांस ली।

अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति जोड़े जाने से ओवरलोडिंग की स्थिति बन रही

इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉलोनीवासियों ने गंभीर आरोप भी लगाए हैं कि न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के लिए स्थापित विद्युत सब सेंटर,जो मूलतः कॉलोनी के सीमित आवासों को बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया गया था,उससे अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति जोड़े जाने से ओवरलोडिंग की स्थिति बन रही है। रहवासियों का कहना है कि यदि इस संबंध में तथ्य सामने आते हैं तो सूचना के अधिकार के तहत जानकारी प्राप्त कर संबंधित जनप्रतिनिधियों और शासन स्तर पर शिकायत की जाएगी। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। बहरहाल सहायक अभियंता (विद्युत वितरण केंद्र) भद्रे के मार्गदर्शन में लाइनमैनों की टीम ने देर रात तक सुधार कार्य कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया। स्थानीय नागरिकों ने बस्तर सांसद महेश कश्यप,जगदलपुर विधायक तथा प्रदेश सरकार से मामले की गंभीरता से जांच कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

रहवासियों ने उठाए जवाबदेही के सवाल: न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या अब आम होती जा रही है। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है और तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला जा रहा। रहवासियों ने मांग की है कि विद्युत व्यवस्था की तकनीकी जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय की जाए,ताकि भविष्य में सैकड़ों परिवारों को रातभर अंधेरे और परेशानी का सामना न करना पड़े।

लालबाग मैदान में गूंजा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का उत्साह, बस्तर बाइसन के समर्थन में कलाकारों ने बांधा समां

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग 2026 के प्रचार-प्रसार और बस्तर संभाग की टीम बस्तर बाइसन के समर्थन को लेकर रविवार को लालबाग क्रिकेट मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। बस्तर जिला क्रिकेट संघ की पहल पर राजधानी रायपुर से आए 'केडी स्ट्राइकर्स' कलाकार दल ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुति ने खेल प्रेमियों और युवाओं में प्रतियोगिता को लेकर उत्साह बढ़ा दिया। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का तृतीय संस्करण 03 जून से 14 जून तक रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा,जिसमें प्रदेश की छह टीमें भाग लेंगी।

मुख्यमंत्री ने दुर्ग जिले को दी 739 करोड़ 38 लाख के विकास कार्यों की सौगात

दुर्ग/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत दुर्ग जिले के झाड़ू राम देवांगन स्कूल प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय विशाल समाधान शिविर में शामिल हुए। इस गौरवशाली अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्ग जिले की जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने तथा चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए कुल 739 करोड़ 38 लाख रूपए की लागत के ऐतिहासिक विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। इस भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा जिले को सुदृढ़ बनाने के लिए कुल 362 करोड़ 46 लाख रूपए की लागत के 98 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें आम जनता को समर्पित किया गया। इसके साथ ही, भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से कुल 376 करोड़ 92 लाख रूपए की अनुमानित लागत वाले 153 नए जनकल्याणकारी विकास कार्यों का पूरी विधि-विधान के साथ भूमिपूजन व शिलान्यास भी संपन्न हुआ।

लोकार्पण कार्यों में प्रमुख रूप से दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय जेल दुर्ग परिसर में 8.52 करोड़ रुपये की लागत से आवास निर्माण कार्य, 2.32 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जेल में 50 बंदी क्षमता वाले 04 नाग बैरक का निर्माण, 4.03 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न वार्डों में पेवर ब्लॉक एवं डामरीकरण कार्य, 4.85 करोड़ रुपये की लागत से गंजपारा चौक से शिवनाथ नदी तक मार्ग उन्नयन कार्य तथा 1.49 करोड़ रुपये की लागत से इंडोर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य जनता को समर्पित किए गए। वहीं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में शिवनाथ नदी पर अनेक उच्चस्तरीय पुलों एवं पहुंच मार्गो का निर्माण पूरा होने से क्षेत्रीय आवागमन को नई गति मिलेगी। इनमें कोटनी के समीप शिवनाथ नदी पर लगभग 19.03 करोड़ रुपये, अंजोरा-चंगोरी-भरदा मार्ग पर लगभग 18.72 करोड़ रुपये तथा रूद्रा-धीरी मार्ग पर लगभग 13.95 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल प्रमुख हैं। इसके अलावा अंडा में 25.23 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना से विद्युत अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। रिसाली क्षेत्र में 2 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख मार्गों का विद्युतीकरण कार्य तथा विभिन्न नगरीय अधोसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम भिलाई के अंतर्गत लगभग 9.77 करोड़ रुपये की लागत से चार नवीन ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर निर्माण कार्य तथा 1.93 करोड़ रुपये की लागत से क्लियर वाटर राइजिंग मेन परियोजना का लोकार्पण हुआ, जिससे पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ आधार मिलेगा। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66.70 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर पुल (पीजीसीआईएल-धमधा) से केंदपुर तक 220 केवी विद्युत पारेषण लाइन परियोजना तथा 2.83 करोड़ रुपये की लागत से जल संसाधन विभाग की नहर लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार परियोजना का लोकार्पण किया गया। वहीं पाटन विधानसभा क्षेत्र में शासकीय चंदूलाल चंद्राकर पीजी कॉलेज परिसर में लगभग 38.78 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंडोर स्टेडियम एवं स्टाफ क्वार्टर निर्माण कार्य का लोकार्पण हुआ। इसके अतिरिक्त ठाकुराइन टोला घाट में लगभग 19.40 करोड़ रुपये की लागत से लक्ष्मण झूला निर्माण तथा 9.25 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत पारेषण लाइन संबंधी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी जनता को समर्पित की गईं। साजा विधानसभा क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 16.41 करोड़ रुपये तथा 15.82 करोड़ रुपये की लागत से शिवनाथ नदी पर निर्मित दो उच्चस्तरीय पुलों का लोकार्पण किया। साथ ही 30 करोड़ रुपये की लागत से सेमरिया (लिटिया) में अति उच्च दाब विद्युत उपकेंद्र तथा लगभग 4.96 करोड़ रुपये की विद्युत लाइन परियोजना का भी लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में 3.92 करोड़ की लागत से तांदुला परियोजना अंतर्गत आनन्दगांव माइनर के रिमांडलिग एवं लाइनिंग कार्य तथा 4.24 करोड़ रुपए की लागत से हसदा नाला में उभरा स्टापडेम कम रपटा निर्माण कार्य के साथ साथ कई लोक कल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

रायपुर रेल मंडल में जल व ऊर्जा संरक्षण पर जागरुकता कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के तहत पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 15 मई से 5 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों, विद्यालयों तथा रेलवे परिसरों में व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

अभियान के तहत 31 मई से 4 जून तक मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर जनजागरूकता एवं निरीक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और संसाधनों के संतुलित उपयोग के माध्यम से भविष्य उन्मुख रेल परिचालन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं।

इस दौरान वर्षा जल संचयन प्रणालियों को प्रोत्साहित करने, जल संरक्षण व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने तथा जल पुनर्चक्रण प्रणालियों का निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही जल स्त्रोतों के शुद्धिकरण और पुनरुद्धार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेलवे प्रतिष्ठानों और उत्पादन इकाइयों में जहां संभव हो, वहां जल पुनर्चक्रण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं।

रेल मंडल द्वारा जल के विवेकपूर्ण उपयोग, ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय निकायों के सहयोग से बड़े पैमाने पर जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। एलईडी बल्बों के उपयोग, वातानुकूलन उपकरणों के संतुलित संचालन तथा अनावश्यक विद्युत उपकरणों को बंद रखने जैसे विषयों पर जानकारी दी जा रही है। रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों को जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में रेलवे स्कूल, बीएमवाई भिलाई में पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया गया।

रेल मंडल द्वारा अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निस्तारण एवं संग्रहण को लेकर भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं।

महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त का इंतजार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही लाखों महिलाओं को अब 28वीं किस्त का इंतजार है। योजना के तहत हर महीने पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,000 रुपये की सहायता राशि सीधे अंतरित की जाती है। पिछली 27वीं किस्त मई महीने में जारी की गई थी, जिसके बाद अब जून की किस्त को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। सरकारी व्यवस्था के अनुसार महतारी वंदन योजना की राशि आमतौर पर हर महीने की 1 से 10 तारीख के बीच लाभार्थियों के खातों में भेजी जाती है। इसी आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि 28वीं किस्त जून 2026 के पहले सप्ताह में जारी की जा सकती है। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक तिथि घोषित नहीं की गई है। गौरतलब है कि 27वीं किस्त 7 मई 2026 को जारी की गई थी।

रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 109 वारंट तामिल, 8 फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा रविवार को 'ऑपरेशन काल चक्र-03' के तहत विशेष कॉम्बिंग गश्त और सघन अभियान चलाया गया। उत्तर जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संचालित इस अभियान के दौरान फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, लंबित वारंटों की तामीली तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई।

अभियान में गुढ़ियारी, उरला, खमतराई, पंडरी, खम्हारडीह थाना एवं रामनगर चौकी की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान कुल 109 वारंटों की तामीली की गई, जिनमें 23 स्थायी वारंट, 31 गिरफ्तारी वारंट और 55 जमानतीय वारंट शामिल हैं।

पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें मादक पदार्थ नियंत्रण कानून के एक फरार आरोपी की गिरफ्तारी भी शामिल है। साथ ही प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के तहत 50 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इसके अलावा आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों और चाकूबाजों की सघन जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

विशेष अभियान के तहत आबकारी अधिनियम के 30 प्रकरणों तथा शस्त्र अधिनियम के 3 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की जांच-पड़ताल कर उन्हें कानून-व्यवस्था बनाए रखने की सख्त हिदायत भी दी। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाते रहेंगे।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर जनप्रतिनिधियों-नागरिकों ने किया नमन

रायपुर/नवप्रदेश। महान शिव भक्त, कुशल प्रशासिका और लोककल्याणकारी शासन की प्रतीक देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रायपुर नगर निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में तथा नगर निगम जोन-4 के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर देवी अहिल्याबाई होल्कर को सादर नमन किया। राजातालाब कैनाल लिंकिंग रोड स्थित लोटस अस्पताल के सामने स्थापित देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थल पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी तथा पार्षद राजेश गुप्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वराड़े धनकर समाज मंडल के अध्यक्ष सुब्बा राव सावरकर, पूर्व पार्षद अखिलेश कश्यप उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार से मछुआरों के जीवन में आई समृद्धि की नई लहर

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ ग्रामीणों के जीवन में आर्थिक बदलाव और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनता जा रहा है। बलरामपुर जिले के ग्राम बाहरचूरा के मछुआरों की सफलता इसकी प्रेरक मिसाल है। शासन की मत्स्य पालन प्रसार योजना के तहत मिली सहायता से अब ग्रामीण मछुआरे अपनी मेहनत का पूरा लाभ स्वयं प्राप्त कर सकेंगे।

जिले के विजयनगर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम बाहरचूरा निवासी श्री संजय सिंह सहित 6 हितग्राहियों को उन्नत मत्स्य जाल एवं आईसबॉक्स प्रदान किए गए। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्राम बाहरचूरा की गंगा मछुआ सहकारी समिति से जुड़े 11 परिवार वर्षों से मत्स्य पालन के माध्यम से आजीविका चला रहे हैं। समिति के पास लगभग 29 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले दो बड़े जलाशय हैं, जहां मत्स्य उत्पादन किया जाता है। हालांकि आवश्यक उपकरणों की कमी के कारण उन्हें मछली निकालने के लिए बाहरी लोगों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे आय का बड़ा हिस्सा कमीशन के रूप में देना पड़ता था।

'मोर गांव-मोर पानी: गांवों में जल संरक्षण की नई चेतना'

■ **'मोर गांव-मोर पानी महाअभियान से गांव-गांव में जल संरक्षण की नई चेतना'**

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के तहत गांव-गांव में व्यापक जागरूकता और प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के माध्यम से वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा जल संरचनाओं के निर्माण को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों को जल समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों में जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा तकनीकी अमले को जल संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में वर्षा जल को गांव में ही रोकने तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए विभिन्न संरचनाओं के निर्माण और उपयोगिता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 5 प्रतिशत मॉडल रिचार्ज टैंक की संरचना और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि यह चार स्तरीय मॉडल वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनर्भरण के लिए प्रभावी तकनीक है, जिसकी जल संचयन क्षमता लगभग 1458 लीटर तक होती है। व्यवहारिक समझ विकसित करने के लिए नमूना संरचना का प्रदर्शन भी किया गया।

अभियान के तहत रिज टू वैली अवधारणा पर आधारित जल संरक्षण उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। इसमें स्ट्रैगर्ड कंटूर ट्रेंच, कंटीन्यूअस कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, बोल्डर चेक तथा सोख्ता गड्ढों जैसी संरचनाओं के निर्माण, स्थान चयन और उपयोगिता के बारे में बताया गया। इन उपायों से वर्षा जल का अपव्यय कम होने के साथ-साथ भू-जल स्तर में सुधार हो रहा है।विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसी संरचनाओं से कुओं, हैंडपंपों और बोरवेलों में जल उपलब्धता बढ़ती है, पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होता है तथा कृषि गतिविधियों को भी लाभ मिलता है।

साथ ही कम उपजाऊ भूमि को कृषि योग्य बनाने में भी जल संरक्षण संरचनाएं सहायक सिद्ध हो रही हैं। प्रदेश में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनभागीदारी आधारित आंदोलन के रूप में विकसित करना है, ताकि भविष्य में जल संकट की चुनौतियों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

सुविचार

आंखों में रहा दिल में उतर कर नहीं देखा, कश्ती के मुसाफिर ने समंदर नहीं देखा, पत्थर मुझे कहता है मेरा चाहने वाला, मैं मोम हूं उसने छूकर नहीं देखा।

न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए...

हरदिल अजीज शायर डा. बशीर बद्र का निधन न सिर्फ उर्दू बल्कि हिंदी साहित्य के लिए भी अपूरणीय क्षति है। जिन्हें बड़े गौर से सुन रहा था जमाना लेकिन वे ही सो गए दास्तां कहते कहते, वाकई बड़ी मुश्किल से चमन में होता है ऐसा दीदावर पैदा। डा. बशीर बद्र का यह शेर उन पर ही सटीक बैठता है - उजाले अपनी यादों के साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए। आखिरकार उनकी जिंदगी की शाम हो गई और अपने पीछे वे अपनी यादों का उजाला छोड़ गए जो गुमनामी के अंधेरों में गुम न जाने कितने शायरों, कवियों और कलम वीरो के लिए प्रकाश पुंज का काम करेगा। डा. बशीर बद्र की शायरी और गजलों के बारे में और उनकी अजीमोशान शख्सियत के बारे में कुछ कहना सूरज को दीपक दिखाने के समान है। वे आधुनिक उर्दू शायरी की दुनिया के सबसे बड़े शायर थे। बहुत ही आसान शब्दों में गहरी बात कह देने का उनका हुनर ही उन्हें मकबूलियत के उस मुकाम पर ले आया था कि आधुनिक उर्दू शायरों में कोई उनके आसपास भी नजर नहीं आता। बेशक वे अब हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनकी शायरी उनके अल्फाज और उनकी आवाज रहती दुनिया तक उनके करोड़ों चाहने वालों के जेहन में जिंदा रहेगी। डा. बशीर बद्र जिनका पूरा नाम सैय्यद मोहम्मद बशीर है का जन्म उतर प्रदेश में एक साधारण परिवार में हुआ था लेकिन अपनी असाधारण प्रतिभा के बल पर उन्होंने युवावस्था में अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी थी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पीएचडी करते ही उन्हें उसी यूनिवर्सिटी में उर्दू का प्रोफेसर बना दिया गया। उन्हें उस समय गहरा सदमा लगा जब 1987 के मेरठ दंगों में उनका घर भी जला दिया गया। जिसमें उनकी किताबें और पांडुलिपियां भी जल गई। इस हादसे के बाद उन्होंने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में अपना आशियाना बनाया और वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। मेरठ दंगों को लेकर ही उन्होंने यह कालजयी शेर लिखा था - लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। उनके लिखे शेर न सिर्फ आम लोगों के बीच मशहूर थे बल्कि देश व दुनिया के हुक्मरान भी अपनी बात रखने के लिए उनके शेर का सहारा लिया करते थे। 2018 में संसद सत्र के दौरान कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा था तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसका जवाब बशीर बद्र साहब का यह शेर पढ़कर दिया था कि - दुश्मनी जमकर करो लेकिन यह गुंजाइश रहे कि जब दोस्त बने तो शर्मिंदा न हो। उस समय पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था। इसके पहले पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फीकार अली भुट्टो ने इंदिरा गांधी के सामने बातचीत के दौरान यह शेर पढ़ा था। दैनिक नव प्रदेश के विभिन्न कालमो मे भी अनेक बार उनके शेर का उपयोग होता रहा है खासतौर पर इस शेर का कि - जब से चला हूं मंजिल पर है नजर, निगाहों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा। उनके लिखे कुछ उम्दा शेर जैसे - कुछ तो मजबुरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता... कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से, ये नये मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो... मुसाफिर हैं हम भी मुसाफिर हो तुम भी, किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी... लोगों को जुबानी याद है। उर्दू साहित्य की सेवा के लिए पद्मश्री सम्मान साहित्य अकादमी अवार्ड जैसे अनेक सम्मान प्राप्त बशीर बद्र साहब पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे लेकिन उनकी कलम अंत तक चलती रही। उर्दू साहित्य की क्षितिज पर चमकते एक दैदीप्यमान नक्षत्र का अवसान निश्चित रूप से पीड़ा दायक है। उनके निधन पर दैनिक नव प्रदेश परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है। अल्लाह मरहूम को मगफिरत फरमाए उन्हें जन्नत-उल- फिरदौस अता करे। आमीन।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

भविष्य वही लोग देखते हैं जो वर्तमान में एकदम कमजोर, डरपोक और अपने वर्तमान से असंतुष्ट लोग होते हैं।जब किसी सुख की आकांक्षा अपने मन में पैदा करते हो, उसी समय भगवान से तुम एक बड़ा दु:ख मांगते हो कि पहले मुझे दु:ख चाहिए तब तो मुझे सुख का आभास होगा; तो ये दु:ख तुम बुला रहे हो यारों !! क्यों मांगते हो सुख ? सुख और दु:ख के पार एक बड़ी वस्तु है- आनंद ! सुख और दु:ख की गहराई में जब उतर जाओगे ना, उसी को बोध या आनंद कहते हैं। भविष्य वही लोग देखते हैं जो वर्तमान में एकदम कमजोर, डरपोक और अपने वर्तमान से असंतुष्ट लोग होते हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1992 - भारत एवं इजरायल के बीच हवाई समझौता। 1999 - मध्य चीन के ह्यूबी प्रान्त में 770-256 ईसा पूर्व के तीन सौ प्राचीन क़ब्रों की खोज, हवाई विश्वविद्यालय (सं.रा. अमेरिका) में नर चूहे का प्रतिरूप विकसित। 2001 - नेपाल के शाही परिवार की नरेश वीरेन्द्र विक्रम शाह सहित पत्नी व अन्य परिवारों की नृशंस हत्या, हत्या के बाद युवराज दीपेन्द्र द्वारा भी आत्महत्या का प्रयास, ज्ञानेन्द्र कार्यवाहक नरेश बने, दक्षिण अफ्रीका का सत्य मित्र आयोग समाप्त। 2004 - इराकी प्रशासकीय परिषद के प्रमुख सुन्नी नेता गाजी मशाल अजीज अल यावर ईराक के नये राष्ट्रपति बने। 2005 - अप्पा शेरपा ने माउंट एवरेस्ट की 15वीं बार सफल चढ़ाई की। 2006 - चीन के दक्षिण पूर्वी जियांग्शी प्रान्त के शांगीपन गांव में आदि मानव का पदचिह्न मिला। ईरान ने परमाणु शोध कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ किसी प्रकार के समझौते से पूरी तरह इन्कार करते हुए कहा कि वह वार्ता को तैयार है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाना उसे मंजूर नहीं, ब्रिटेन के शिक्षाविदों ने इस्रायली विश्वविद्यालयों के बहिष्कार का निर्णय लिया।

उच्चतम न्यायालय का 'सर' एसआईआर पर निर्णय

विवादित निर्णयों की सूची में एक और 'सुप्रीम' फैसला?

राजीव खंडेलवाल

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा कराए गए ''स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन'' (SIR) अर्थात ''विशेष गहन पुनरीक्षण'' को लेकर देशभर में राजनैतिक और संवैधानिक बहस छिड़ी, तब सबकी निगाहें उच्चतम न्यायालय पर टिक गई, जहां मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत एवं जस्टिस बागची की पीठ ने 27 मई 2026 को निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया को संवैधानिक एवं वैधानिक रूप से वैध ठहराया। 1 साल से "SIR" पर मचे घमासान को देखते हुए यह फैसला कई हलकों में ''दूध का दूध पानी का पानी करने के बजाय ''आग में घी डालने जैसा लगा। इलेक्ट्रोल बॉन्ड, महाराष्ट्र का सत्ता संग्राम, (फणडवीस सरकार व शिवसेना का विभाजन) अनुच्छेद 370, (वैध) लेकिन उसे पूर्ण दर्जा अभी तक नहीं, ईडब्ल्यूएस आरक्षण, NJAC (जजों की नियुक्ति) ट्रिपल तलाक, समलैंगिक संबंध जैसे विवादित निर्णयों की फेहरिस्त में, अब एसआईआर पर आया यह निर्णय भी जुड़ गया। अंतिम न्यायिक निर्णय द्वारा एक विवाद सुलझाने की कवायद कहीं यह ÷विवादों की खेती÷ न बन जाए, यह चिंता इस फैसले के बाद और गहरा गई है।

निर्णय का मूल आधार : धारा 21(3) की व्याख्या

उच्चतम न्यायालय ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) तथा संविधान के अनुच्छेद 324 का व्यापक अर्थ ग्रहण करते हुए निर्वाचन आयोग को विशेष गहन पुनरीक्षण कराने की 'शक्ति व कार्रवाई' न्यायालय ने SIR को संवैधानिक रूप से पूर्णतः वैध माना है। न्यायालय ने कहां SIR शब्द नियम 25 से आता है। उसी की मिला-जुला रूप 'सर' है। इसलिए कानून से परे नहीं है। यद्यपि कई याचिकाकर्ताओं जैसे एक याचिकाकर्ता के वकील कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी, वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह का यह कथन है कि हमारा जोर प्रक्रिया पर था, वैधता पर नहीं।

धारा 21(3) क्या कहती है।

निर्वाचन आयोग किसी भी समय कारण दर्ज करते हुए किसी निर्वाचन क्षेत्र अथवा उसके किसी भाग की मतदाता सूची का ''विशेष पुनरीक्षण'' (special revision) ऐसे तरीके से कराने का निर्देश दे सकता है, जैसा वह उचित समझे। परंतु इस अधिनियम के अन्य प्रावधानों के अधीन, किसी ऐसे निर्देश के जारी होने के समय लागू मतदाता सूची, विशेष पुनरीक्षण पूरा होने तक लागू बनी रहेगी।÷

मतदाता सूची पुनरीक्षण / कितनी तरह से

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 सहपठित नियम 25 एवं निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960 के अधीन चुनाव आयोग 2025 के पूर्व तक, निम्न तरह से मतदाता सूची का पुनरीक्षण करता रहा।

1.सामान्य पुनरीक्षण, 2.संक्षिप्त पुनरीक्षण, 3.विशेष पुनरीक्षण, 4.गहन पुनरीक्षण, 5. आंशिक गहन एवं संक्षिप्त पुनरीक्षण।

जैसी प्रक्रियाएँ अपनाई जाती रही हैं। किंतु ''स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन'' (SIR) शब्दावली का स्पष्ट उल्लेख धारा 21 के प्रावधान में कहीं नहीं मिलता है। चुनाव आयोग ने पहली बार बिहार में आम चुनाव के पूर्व मतदाता सूची बनाने के लिए "SIR" शब्द का प्रयोग किया। वस्तुतः SIR चुनाव आयोग द्वारा विकसित एक प्रशासनिक अवधारणा है, जिसे एक Legal Fiction बतलाया । जबकि न्यायालय ने इसे धारा 21(3) के अंतर्गत आने वाली व्यापक पुनरीक्षण शक्ति का हिस्सा मान लिया है। यही वह बिन्दु है, जहां विधि की शब्दिक व्याख्या और उद्देश्य पत्रक व्याख्या आमने सामने खड़ी दिखाई देती है।

धारा 21(3) का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू

धारा 21(3) का दूसरा भाग कहता है कि विशेष पुनरीक्षण पूरा होने तक पूर्ववर्ती मतदाता सूची प्रभावी बनी रहेगी।

इस प्रावधान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना प्रतीत होता है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान मताधिकार का शून्यकाल (vacuum) उत्पन्न न हो। किंतु व्यवहार में यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाएँ, उनकी अपीलें लंबित रहें अथवा मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया समय पर पूरी न हो, तब लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की निष्पक्षता को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है। कानून का उद्देश्य केवल सूची को शुद्ध बनाना नहीं, बल्कि वैध मतदाता को मतदान से वंचित होने से बचाना भी है।

निर्णय का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ! नागरिकता ?

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता का अंतिम निर्णय नहीं कर सकता है । किंतु मतदाता सूची में नाम बनाए रखने, जोड़ने अथवा हटाने के सीमित उद्देश्य से वह प्रारंभिक स्तर पर नागरिकता संबंधी संदेह की जांच कर सकता है। यदि अंतिम निर्णय का अधिकार नागरिकता अधिनियम, 1955 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के पास है, तो केवल संदेह के आधार पर समक्ष अधिकारी के आदेश के बिना मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया किस सीमा तक उचित मानी जाए? न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची से नाम हटाया जाना किसी व्यक्ति को गैर-नागरिक घोषित करने के समान नहीं माना जाएगा। यह तो वही बात हुई कि हम परीक्षा लेगें, पेपरों की जांच करके पास-फेल होने पर तदानुसार कार्रवाई करेगें, लेकिन पास-फेल का प्रमाण पत्र जारी नहीं करेगें।

'' सर की प्रक्रिया का 'परसेप्शन' उतना ही निष्पक्ष दिखा? जितना न्यायालय को प्रतीत हुआ?

उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में मतदाता सूची की शुद्धता, सटीकता और विश्वसनीयता को लोकतंत्र की आधारशिला बताया जो चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व् है। इस सिद्धांत से शायद ही कोई असहमत होगा। परन्तु न्याय का यह सिद्धांत है कि न केवल न्याय होना चाहिए बल्कि वह मिलते हुए दिखना भी चाहिए। यह सिद्धांत चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची बनाने के लिए बनाई गई प्रक्रिया पर भी लागू होता है, जिसमें न केवल चुनाव आयोग असफल होता हुआ साफदिख रहा है, बल्कि पूरा चुनाव आयोग ही शंका व आलोचना के कटघरे में आ गया।

हटाये गये मतदाता का लोकसभा चुनाव पर प्रभाव?

विपक्ष द्वारा उठाये गये प्रश्नों का माकूल जवाब नहीं दिया, बल्कि बिना किसी कानूनी आधार के यह कहा गया कि शपथ पत्र दीजिए। डिलीटेड मतदाता सूची प्रकाशित नहीं की गई, जिसके निर्देश न्यायालय ने चुनाव आयोग को दिये। लगभग 68.66 लाख मतदाता मृत्यु, पलायन, पता नहीं व डुप्लीकेट नाम की वजह से हटाये गये लेकिन एक ही विदेशी/घुसपैठिया रिपोर्ट नहीं हुआ जिसका आधार बताकर 'सर' की कार्रवाई की गई थी। उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर भी कोई ध्यान नहीं दिया कि 68.66 लाख 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाता थे। मृतकों को छोड़कर सिर्फ बचे लगभग 39 लाख मतदाता ने 56.28 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। क्या यह स्थिति बिहार के लोकसभा चुनाव के परिणाम पर प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं लगाती है? कहीं दाल में कुछ तो काला नहीं?

SIR समावेशी से बहिष्कारी ।

यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को दस्तावेजी जटिलताओं, प्रशासनिक त्रुटियों अथवा लंबित अपीलों के कारण मतदान अधिकार से वंचित किया गया है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि शुद्धता और समावेशिता के बीच संतुलन कहाँ स्थापित होगा। यदि शुद्धता की खोज में समावेशिता कमजोर पड़ जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत हो सकती है।

चुनाव आयोग की पारंपरिक पुनरीक्षण प्रक्रिया का मूल भाव ''समावेश'' रहा है–अर्थात् पात्र नागरिक को सूची में जोड़ना। लेकिन SIR की प्रक्रिया में ''अपवर्जन'' (e&clusion) का तत्व अपेक्षाकृत अधिक दिखाई दिया। वस्तुतः न्यायालय ने चुनाव आयोग के लगभग समस्त तर्को को निर्णय में समाहित कर सही ठहरा दिया, जो भी एक शंका का कारण बना।

निष्कर्ष : 'सर' का यह अध्याय 'अभी इति नहीं अथ है'।

क्या है नौतपा

नौतपा के बारे में हिंदू पंचांग में खास जानकारी दी गई है इसके मुताबिक नौतपा यानी नो तपने वाले दिन होते हैं नौतपा के दौरान सूर्य देव पृथ्वी के काफी नजदीक आ जाते हैं ज्योतिष मे सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश को कहते हैं इस दौरान सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पहुंचती है

पंडित संदीप ज्योतिषी

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि शास्त्रों में नौतपा के दौरान शिवलिंग को जल अर्पित करने और सूर्य देव की उपासना का विशेष महत्व माना जाता है कहते हैं नौतपा में सूर्य देव अपने प्रचंड रूप में आते हैं इस वजह से सूर्य की साधना का विशेष महत्व होता है ज्योतिष के अनुसार सूर्य देव को आत्मविश्वास मान सम्मान और नेतृत्व क्षमता का कारक ग्रह माना गया है यदि कुंडली में सूर्य मजबूत हो तो व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठा व सभी जगह सम्मान प्राप्त होता है

नौतपा अगर ना तपे तो क्या होगा

कुदरत में नौतपा का आना बेहद फायदेमंद माना जाता है खासकर किसानों के लिए नौतपा किसी वरदान से काम नहीं है नौतपा जितना तपते हैं उतना किसान खुश होते हैं इससे उन्हें मानसून का अंदाजा लग जाता है इसी के अनुसार वह खेती करते हैं नौतपा में चूहा कीड़े मकोड़े और टिड्डी बड़ी संख्या में मरते हैं इस वजह से किसानो की फसल सुरक्षित रहती है

क्या कहता है मौसम विज्ञान

भारतीय मौसम विज्ञान नौतपा को लेकर कहता है कि प्रचंड गर्मी के कारण मैदानी इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनता है जो मानसून की हवाओं को आकर्षित करता है जितनी गर्मी पड़ेगी उतना ही कम दबाव का क्षेत्र बनेगा और मानसून आकर्षित होगा यह अच्छे मानसून का संकेत देता है नौतपा को मानसून का गर्भकाल भी कहा जाता है नौतपा आने के बाद यह तय हो जाता है मानसून अब ज्यादा दूर नहीं है जैसे-जैसे नौतपा तपते जाते हैं वैसे-वैसे मानसून के दिन नजदीक आते जाते हैं

घाघ कवी लिखते हैं कि
जेठ मास जो तपे निराशा
तब जानौ वर्षा की आशा
तपे नौतपा नव दिन जोय
तो पुन बरखा पूरन होय

घाघ कवी लिखते हैं कि यदि जेठ के महीने में नौतपा खूब गर्म होते हैं तो उस साल बारिश जमकर होती है

किसानों के लिए नौतपा क्यों जरूरी है नोटपा प्रकृति का एक ऐसा चक्र है जो हानिकारक जीवो की संख्या को नियंत्रित करता है नौतपा के दौरान पढ़ने वाली गर्मी से कई ऐसे फफूंद किट और बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं जो बारिश के दौरान फसल को नुकसान पहुंचा सकते हैं अगर नौतपा के दौरान तेज गर्मी ना पड़े तो मच्छरों की संख्या बढ़ सकती है खेतों और फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट बढ़ सकते हैं

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आप से दिल लगा के देख लिया, इश्क को आजमा के देख लिया रात भर चाँद से हुई बातें, अक्स तेरा भुला के देख लिया तेरी यादों की आग में हमने, घर को अपने जला के देख लिया हम ने वीरान रास्तों की तरह, खुद को तन्हा बना के देख लिया कोई समझा नहीं मेरे ग़म को, हाल दिल का सुना के देख लिया। इश्क़ में फ़ासले मिटे ही.नहीं, मैंने खुद को मिटा के देख लिया। कोई अपना न बन सका 'सोनी' सबकु अपना बना के देख लिया।

- सोनिया राय

आना-जाना दिल में मेरे करते हो प्यार मुझी से है कहने से डरते हो आ जाओ किसने रोका है मिलने से दूर खड़े हो कर क्यों आहें भरते हो मैसेंजर में करते रहते हो बातें लगता तुम भी शायद मुझ पर मरते हो डीपी मेरी प्रोफाइल से लेकर तुम घंटो उसको खूब निहारा करते हो संजय' उनको नहीं दिखावा भाता है तुम क्यूँ इतना सजते और सँवरते हो। **- संजय कुमार गिरि**

हम को सब हिज्र से डराते हैं हिज्र का जश्न भी मनाते हैं जाम हाथों में ले के महफ़िल में खूब पीते हैं और पिलाते हैं इक तमाशा सा रोज़ होता है गीत उस बेवफा के गाते हैं ज़ख्म जब दिल के भरने लगते हैं इक नया जख्म ढूंढ लाते हैं अगर यह हिज्र है तो फ़िर यारो आओ मिल कर यह ग़म भुलाते हैं। **- अनुमित्तल**

तुम सागर की अदभुत गहराई हो, मैं खेत में जैसे सरसों लहराई हो, तुम मेघों के जमघट से हाथ लहराते हो, मुझसे धवल चांदनी से मिलने आते हो, तुम भोर के सूरज और प्रकाश हो, मेरे लिए तुम मेरा स्वतंत्र आकाश हो, तुम बसंत का सावन हो, मन को लगते मनभावन हो, तुम सुरमई अंखियों का सपना हो, मेरे लिए स्नेहिल कोई अपना हो, तुम अनुभूति के भूति हो, ईश्वर की मनोरम स्तुति हो... ! **- अनुभूति**

कैसे गर्मी से बचें,ताप चवालिस पार। जीवो को बस भा रहा,पेड़ों का संसार।। भीषण गर्मी दे रही,कई भयानक रोग। राहत पाने के लिए,लुटा रहे धन लोग।। भीषण गर्मी की तपिश,जला रही भूभाग। पेड़ काटने से बढ़ी,इस जमीन पर आग।। भीषण गर्मी से मचा,भू पर हाहाकार। जीव जन्तु सब खोजते,बरखा की जलधार।। **- शालिनी शर्मा**

पुरुषों को अब बड़े आदमी बनना जी तोड़ मेहनत करके घर बनाना आदर्श पिता , पति बनने की मूर्खता को त्यागना होगा अपने लिए जीने की राह चुनना होगा क्योंकि ये व्यवस्था तुम्हे कुचलने के लिए बनाई गई है। (Facebook पर एक मित्र की टिप्पणी जो आज के दौर में सही लगती है।)

- एल.एस. बिष्ट

तेरे शहर तक जाने वाली सड़क कहीं कच्चे रास्ते पर उतर जाती है सुना है तेरे शहर में बिजलियाँ बहुत गिरायी जाती है ग़म तो इस बात का है कि बिजली गिरने से पहले बारिश बहुत होती है कुछ भीगे कुछ जले होते हैं मौसम वहाँ के जहाँ कुछ आवाजें गले में दबी पड़ी होती हैं, दुबका होता है चाँद वहीं कहीं जबकि सुर्ख़ उजालो में ख़्वाहिशें नीली होती जाती है और रुखसार, लाल गुलाबी पुते होते हैं।

- अनामिका चक्रवर्ती

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष: आज का दिन थोड़ा भागदौड़ और जिम्मेदारियों से भरा रह सकता है। काम का दबाव आपको बेचैन कर सकता है।

वृष: आज का दिन तेजी और व्यस्तता से भरा रहेगा। पुराने अधूरे कामों को पूरा करने में आपका अधिक समय निकल सकता है।

मिथुन: आज आपका दिन संतुलित और सुकून भरा रहेगा। आपकी समझदारी और सही फैसले कई कामों को आसान बना देंगे। समाज या कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

कर्क: आज का दिन आपके लिए कई मायनों में खास साबित हो सकता है। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है।

सिंह: आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है।

कन्या: आज का दिन खुशियों और हल्की-फुल्की मस्ती से भरा रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आपको आज सही दिशा दिखाएगी। यदि कोई कर्ज बाकी है, तो उसे चुकाने की कोशिश तेज होगी।

तुला: आज परिवार के साथ आपका तालमेल बेहद शानदार रहेगा। घर में प्रेम, सहयोग और अपनापन महसूस होगा। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को खुशखबरी मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक: आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि फिजूलखर्ची जेब पर भारी पड़ सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना रिश्तों को और मजबूत बनाएगा।

धनु: आज घर-परिवार में खुशियों की हलचल बनी रहेगी। किसी मेहमान के आगमन से घर में रौनक बढ़ेगी। परिवार में विवाह या रिश्ते को लेकर बातचीत आगे बढ़ सकती है।

मकर: आज आर्थिक मामलों में दिन आपके पक्ष में रहेगा। बिजनेस में फंसा हुआ पैसा वापस मिलने से राहत और खुशी मिलेगी।

कुंभ: आज का दिन अच्छा रहेगा, लेकिन सफलता के लिए आपको खुद की मेहनत पर भरोसा रखना होगा। कामों को टालने की आदत बाद में मुश्किलें खड़ी कर सकती है, इसलिए समय रहते उन्हें पूरा करें।

मीन: आज लंबे समय से रुके हुए काम आखिरकार पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) चंपारण के नील किसान आंदोलन का समर्थन किस समाचार पत्र ने किया था?

2) भगत सिंह द्वारा नौजवान सभा की स्थापना 1926 में किस शहर में की थी?

3) क्षेत्र पत्नी शब्द किस ग्रंथ में उद्धृत है?

4) कर्नाटक के विख्यात शास्त्रीय गायक पंडित मल्लिकार्जुन मंसूर किस घराने का प्रतिनिधित्व करते थे?

5) हाल ही में खबरों में दिखा टापनुली ऑरंगुटान किस देश का मूल निवासी है?

उत्तरमाला-(1) हिंदू पैट्रियट (2) लाहौर (3) अथर्ववेद (4) जयपुर-अतरौली उत्तर (5) इंडोनेशिया

पहचान

राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपनी आँखें बंद रखेंगे ताकि उन्हें शांति मिलती रहे। लोगों ने ऐसा ही किया क्योंकि राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखें बंद किए-किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्म निकला कि लोग अपने-अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा लें क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिलकुल ज़रूरी नहीं है। लोगों ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीक़े से बढ़ गया।

फिर हुक्म ये निकला कि लोग अपने-अपने होंठ सिलवा लें, क्योंकि बोलना उत्पादन में सदा से बाधक रहा है। लोगों ने काफ़ी सस्ती दरों पर होंठ सिलवा लिए और फिर उन्हें पता लगा कि अब वे खा भी नहीं सकते हैं। लेकिन खाना भी काम करने के लिए बहुत आवश्यक नहीं माना गया। फिर उन्हें कई तरह की चीज़ें कटवाने और जुड़वाने के हुक्म मिलते रहे और वे वैसा ही करवाते रहे। राजा रातदिन प्रगति करता रहा।

फिर एक दिन ख़ैराती, रामू और छिद्दू ने सोचा कि लाओ आँखें खोलकर तो देखें। अब तक अपना राज स्वर्ग हो गया होगा। उन तीनों ने आँखें खोलीं तो उन सबको अपने सामने राजा दिखाई दिया। वे एक दूसरे को न देख सके।

सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार जनता के बीच पहुंचकर अपना रिपोर्ट कार्ड दे रही है: साय

■ जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होकर शहरवासियों को दी 739 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

■ दुर्ग में सर्वसुविधायुक्त संयुक्त जिला कार्यालय भवन निर्माण की घोषणा की

दुर्ग/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा सुशासन तिहार के माध्यम से आम जनता के बीच पहुंचकर अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत की जा रही है। मुख्यमंत्री साय आज जिला मुख्यालय दुर्ग के स्व. झाड़ू देवांगन शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान भीषण गर्मी में भी आम जनता की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर भूरी-भूरी सराहना व्यक्त करते हुए सुशासन तिहार के दौरान आम जनता से मिल रहे प्रतिसाद पर भी संतोष व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग शहर वासियों को 739 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

समारोह में मुख्यमंत्री साय ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की मांग पर जिला एवं पुलिस प्रशासन के लिए सर्वसुविधायुक्त संयुक्त जिला कार्यालय भवन का निर्माण कार्य करने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग शहर में बड़ी संख्या में लोकार्पित एवं भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें दुर्ग शहर एवं दुर्ग जिले के विकास के लिए मील का पत्थर बताया।

मुख्यमंत्री साय ने राज्य में सुशासन तिहार के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि एक मई से प्रदेश के सभी जिलों में निरंतर सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि राज्य में 10 जून तक लगातार सुशासन तिहार का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत राज्य के शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के साथ-साथ उनके मांगों और समस्याओं का भी त्वरित निराकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्टॉल में युवाओं का ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के अलावा मत्स्य पालक कृषकों को मछली जॉल के वितरण के अलावा ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य के बागडोर सम्हालने के पश्चात सर्वप्रथम हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत राज्य के 18 लाख गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने की घोषणा की थी। मुझे खुशी है कि इन सभी गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दे दी गई है। इसके साथ ही स्वीकृत सभी आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा माता और बहनों के मेहनत का सम्मान करते हुए राज्य में महतारी वंदन योजना लागू कर इस योजना के अंतर्गत उनके खाते में प्रतिमाह में एक-एक हजार रूपए की राशि अंतरित करने का कार्य किया जा रहा है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण एवं यादगार दिवस है। उन्होंने कहा कि आज सुशासन तिहार में शामिल होकर मुख्यमंत्री साय के द्वारा 739 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जा रही है। यह सभी विकास कार्य दुर्ग शहर एवं जिले के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर उन्होंने मॉ चण्डी की धरती, इस्पात एवं ज्ञान-विज्ञान की नगरी दुर्ग में आयोजित सुशासन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के अनुरूप आज दुर्ग शहर में आईटी पार्क का लोकार्पण किया गया है। श्री यादव ने 120 वर्ष पहले गठित दुर्ग जिले के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में जानकारी देते हुए शहर एवं जिले के प्रमुख मांगों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। श्री यादव ने बेमेतरा एवं बालोद की तर्ज पर कलेक्ट्रेट के लिए कम्पोजिट बिल्डिंग निर्माण की मांग भी रखी।

सांसद विजय बघेल ने मुख्यमंत्री द्वारा दुर्ग शहर को दिये गये 739 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों के सौगात देने के लिए उनके प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि जिले में आईटी हब के रूप में महत्वपूर्ण परियोजना का आज लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि आज दुर्ग शहरवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं मंशानुरूप पूरे जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला प्रशासन सीधे जनता तक पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहा है। आज का दिन जिले के विकास इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

समारोह में जिला पचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू, खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जागेश्वर साहू, सांवला राम डाहरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, संभाग आयुक्त एसएन राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

नगरवासियों से किये वादे हुए पूरे, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया आईटी पार्क का लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को तकनीकी विकास और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए सिविल लाईन्स स्थित आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने से पूर्व आईटी पार्क का उद्घाटन किया। सिविल लाईन्स स्थित यह आईटी पार्क लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर निर्मित किया गया है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस आईटी पार्क में 40 बड़े ऑफिस रूम, पांच बड़े हॉल, मैस सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पूरा परिसर बाउंड्रीवॉल से घिरा हुआ है, जिसमें यहां कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। देश के विभिन्न 40 आई कम्पनियों ने यहां एमओयू के मुताबिक कार्य आरंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री साय ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि आईआईटी भिलाई और प्रदेश शासन के सहयोग से इस आईटी पार्क निर्माण किया गया है। वर्तमान में 40 आई कम्पनियां कार्यरत् है तथा भविष्य में 100 कम्पनियों के साथ कार्य करने हेतु अपनी सहमति जताई है। विगत वर्ष की गई घोषणा आज आईटी के शुभारंभ के साथ पूरी हुई है। इससे युवाओं के लिए तकनीकी ज्ञान एवं विकास की राह आसान होगी। इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आईटी पार्क के शुरू होने से दुर्ग-भिलाई क्षेत्र तकनीकी नवाचार और डिजिटल प्रगति के नए केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इससे स्थानीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार और नवाचार के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सेन को दी श्रद्धांजली

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने दुर्ग प्रवास के दौरान लोकांगन परिसर भी पहुंचे। उन्होने यहां पर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्व. दिनेश सेन के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजली दी। मुख्यमंत्री साय ने विधायक सेन और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

बीएसपी में चोरी का 6वां आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। स्टील प्लांट बीएसपी से बड़े पैमाने पर लोहा चोरी करने वाले गिरोह के 6वें आरोपी को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घनश्याम गुप्ता साई एसोसिएट कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम करता था। पुलिस के मुताबिक, वह मुख्य आरोपी संजय सिंह के कहने पर चोरी के लोहे को फ्लू डस्ट ले जाने वाली गाड़ियों में लोड करवाने का काम करता था। पुरानी भिलाई थाना पुलिस के अनुसार, गिरोह पिछले चार से पांच महीने से संगठित तरीके से बीएसपी से लोहे का स्क्रैप चोरी कर रहा था। चोरी किए गए लोहे को फ्लू डस्ट के साथ मिलाकर ट्रकों और हाईवा वाहनों में भरकर प्लांट से बाहर निकाला जाता था।

भारत विकास परिषद दुर्ग के तुलसी सोनी बने अध्यक्ष

दुर्ग। राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और सांस्कृतिक जागरण के संकल्प को लेकर कार्यरत भारत विकास परिषद, दुर्ग इकाई के नवीन अध्यक्ष के रूप में तुलसी सोनी ने दायित्व ग्रहण कर संगठन के इतिहास में एक नए अध्याय का शुभारंभ किया है। होटल वृंदावन दुर्ग में आयोजित भव्य दायित्व ग्रहण समारोह में प्रांताध्यक्ष विनोद अग्रवाल एवं प्रांत महासचिव मुरारी काबरा की गरिमामयी उपस्थिति में नई कार्यकारिणी ने पद एवं दायित्व ग्रहण किया। समारोह में समाज, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर तुलसी सोनी को अध्यक्ष, लक्ष्मी वर्मा को सचिव तथा आशीष शर्मा को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। भारत विकास परिषद की देशभर में इसकी दो हजार से अधिक शाखाएँ एवं लगभग दो लाख सदस्य राष्ट्र सेवा के कार्यों में संलग्न हैं। परिषद का ध्येय वाक्य स्वस्थ, समर्थ एवं संस्कारित भारत तथा मूल मंत्र ÷संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण है।

निस्वार्थ सेवा भाव समिति ने बांटे सकोरे

भिलाई। निस्वार्थ सेवा भाव समिति के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समिति द्वारा बेजुबान पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम, करुणा एवं सेवा भाव का संदेश देते हुए आमजन को निःशुल्क सकोरा (मिट्टी के पात्र) वितरित किए गए। भीषण गर्मी में जब इंसान तो अपनी प्यास बुझा लेता है, लेकिन आसमान में उड़ने वाली नन्ही चिड़िया रानी और बेजुबान पशु पानी की एक बूंद के लिए तड़प जाते हैं। इसी संवेदना को समझते हुए समिति ने लोगों से भावुक अपील की कि अपने घरों, छतों, आंगन एवं आसपास दाना और पानी अवश्य रखें। इंसानियत केवल लोगों की सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि हर उस बेजुबान जीव की रक्षा और देखभाल में भी है।

निधन पार्वती देवी मिश्रा

भिलाई। पार्वती देवी मिश्रा (उम्र 88 वर्ष) कल्पकृति अपार्टमेंट रिसाली भिलाई निवासी का 31 मई को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 1 जून 2026 दिन सोमवार को रिसाली मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे स्व. काशीनाथ मिश्रा की पत्नी एवं अनिल कुमार मिश्रा की माता थी।

स्कूटी मेकाहारा की पार्किंग में रखते थे, मास्टरमाइंड तक पहुंचने पुलिस ने बदला था हुलिया

रायपुर के इंटर-स्टेट चोरों ने भिलाई में की चोरी

दुर्ग/नवप्रदेश। पुलिस ने इंटर-स्टेट चोर गिरोह के मुख्य आरोपी मोहम्मद नासिर हुसैन उर्फ आनस खान को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदातों से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार और स्कूटी रायपुर के मेकाहारा परिसर से जब्त किया है। यह वही आरोपी है, जिसे दुर्ग पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके साथी पहले बंद मकानों, फ्लैटों और आवासीय कॉलोनियों की रेकी करते थे। इसके बाद मौका देखकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। घरों में एंट्री करने के लिए दरवाजों के ताले तोड़े जाते थे। जबकि अंदर रखी अलमारियों और लॉकरों को खोलने के लिए खास औजार का इस्तेमाल किया जाता था। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी ने बताया कि चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार रायपुर के मेकाहारा परिसर की पार्किंग में खड़ी एक्टिवा की सीट के नीचे छिपाकर रखे गए थे।

जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम आरोपी को लेकर मौके पर पहुंची और उसकी निशानदेही पर औजार बरामद कर लिए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरोह के सदस्यों तक पहुंचने और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए टीम ने कई स्तरों पर जांच की। आरोपियों की तलाश में पुलिसकर्मियों ने बकरा व्यापारी और जनगणना कर्मी बनकर भी जानकारी जुटाई थी। इसी रणनीति के जरिए पुलिस को गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

जब्त किए गए सामान में अलग-अलग प्रकार के पाना, पेचकस, कटर, लोहे की रॉड और ताला-लॉकर तोड़ने वाले औजार शामिल हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ औजार आरोपियों ने अपनी जरूरत के अनुसार खास तौर पर बनवाए थे।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और उसके साथी इसी वाहन से रायपुर से भिलाई-दुर्ग आते थे। यहां चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद वे वापस रायपुर लौट जाते थे। रायपुर पहुंचने पर अपनी गाड़ी मेकाहारा परिसर की पार्किंग में खड़ी कर देते थे। पुलिस को लंबे समय तक उनके आने-जाने और गतिविधियों की भनक नहीं लग पाती थी, जिससे वे जांच एजेंसियों की नजरों से बचे रहते थे।

जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी मोहम्मद नासिर हुसैन उर्फ आनस खान का आपराधिक रिकॉर्ड कई राज्यों तक फैला हुआ है। पूछताछ के दौरान उसने भोपाल, इंदौर, चंडीगढ़ और छिंदवाड़ा समेत कई शहरों में चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ मध्यप्रदेश के भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्रों के अलावा क्राइम ब्रांच भोपाल में भी मामले दर्ज हैं।

मास्टर्स एथलेटिक्स में छाए छग के खिलाड़ी, गोल्ड सहित 3 मैडल जीते

भिलाई/नवप्रदेश। गोवा में आयोजित दो दिवसीय तीसरी राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की महिला एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ की ओर से महिला एथलीटों ले अलग अलग इवेंट में एक गोल्ड सहित तीन मैडल जीतने में सफलता पाई है। गोवा में यह प्रतियोगिता 30 व 31 मई को खेली गई। यह प्रतियोगिता एशियाई मास्टर्स फेडरेशन एवं वर्ल्ड मास्टर्स फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है। छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलेटिक्स संघ के सचिव ताजुद्दीन ने बताया कि गोवा के बंबोलिम स्टेडियम में खेली गई तीसरी राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के महिला एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के पहले दिन छत्तीसगढ़ की महिला एथलीट विमल कुजूर ने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ट्रिपल जंप प्रतियोगिता व 80 मी बाधा दौड़ में हिस्सा लिया। दोनों प्रतियोगिताओं में विमला ने क्रमशः गोल्ड मेडल एवं सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इसके अलावा इंदुमती मालिया ने 65 वर्ष से अधिक वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में ब्रांज मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले महिला एथलीटों को छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलेटिक्स संघ सहित अन्य खेल संघों के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

जिला अस्पताल का मोर्चरी फ्रीजर केबिनेट 5 माह से बंद

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला अस्पताल दुर्ग के मोर्चरी का फ्रीजर केबिनेट 5 महीने से खराब है। यह सुविधा शुरू करने की मांग करते हुए कांग्रेस नेताओं ने अस्पताल प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। मोर्चरी में दो फ्रीजर केबिनेट है, जिसमें से एक केबिनेट में 4 शव रखे जाते हैं । दोनों केबिनेट में कुल 8 शव रखने की क्षमता है, लेकिन पिछले 5 महीने से 1 केबिनेट बंद है। चार माह पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने ज्ञापन देकर दूसरे फ्रीजर केबिनेट को चालू करने की मांग की थी, लेकिन अभी तक यह चालू नहीं हुआ है। यहां रखे कई शव गर्मी में फ्रीजर खराब होने के कारण बाहर रखे गए थे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने सिविल सर्जन डॉ आशीषन मिंज से इस गंभीर समस्या का निराकरण करने जल्द नया फ्रीजर केबिनेट लगाने की मांग की है। उन्होंने जिला अस्पताल प्रबंधन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। 15 दिनों में समस्या का निराकरण न होने और आम जन को परेशानी होने पर कांग्रेसी जिला अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करेंगे। बाकलीवाल ने कहा कि जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में भारी अव्यवस्था है। चार माह पूर्व ज्ञापन देने के बाद भी अब तक फ्रीजर केबिनेट की व्यवस्था नहीं की गई। रेडक्रॉस द्वारा शव को फ्रीजर में शव रखने के लिए 300 रु का शुल्क वसूला जा रहा है। प्रबंधन द्वारा रेड क्रॉस पर जिम्मेदारी डालना अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना है। मोर्चरी की हालत इतनी खराब है कि परिजन भी अंदर नहीं जा पा रहे। शवों को गर्मी में खुला रखना जिला अस्पताल की बड़ी लापरवाही है।

रेत माफियाओं पर नकेल कसने में साय सरकार विफल

दुर्ग/नवप्रदेश। दुर्ग सहित पूरे प्रदेश में इन दिनों रेत माफ़ियाओं के हौसले बुलंद हैं, जिनकी नाक में नकेल कसने में साय सरकार विफल है। इसका मतलब साफ है कि रेत का यह गोरखधंधा सरकार के संरक्षण में ही फलफूल रहा है। ?

उक्ताशम के आरोप लगाते हुए निगम नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष देवकुमार जंघेल, अब्दुल गनी, लिखन साहू, पूर्व पार्षद अमृत लोढ़ा, डॉक्टर छत्रसाल गायकवाड, संजय सिंह, भोला महोबिया, मनोज चंद्राकर, अनिल देवांगन, मनीष यादव, सुरेंद्र ठाकुर, राजकुमार वर्मा, युवराज ठाकुर आदि ने कहा है कि पिछले दिनों धमतरी जिले में रेत के अवैध उत्खनन के कारण दस नरकंकाल मिले थे, जो इस बात का सबूत हैं कि रेत माफ़िया कब्रिस्तान को भी नहीं बख्श रहे हैं। अंधाधुंध तरीके से कहीं से भी रेत निकाल रहे है।

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र और अहिवारा क्षेत्र में भी डंके की चोट पर रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है। जिससे शासन को करोड़ों रुपये का चूना लग रहा है। बगैर रायल्टी दिए रेत माफ़िया नदी के पार तक को तोड़ने से भी बाज नही आ रहे हैं। रेत के इस गंदे धंधे में कई भाजपा नेता भी शामिल हैं। पूर्व पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन, प्रशासन ने रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने कड़े कदम नहीं उठाए तो इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी आंदोलन पर बाध्य होगी। जिले के लिए जीवन दायनी कही जाने वाली शिवनाथ नदी का जल स्तर तेजी से गिर रहा था। जिससे शहर में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित हो गई। इस समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस के पूर्व पार्षदों ने सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारियों से पुरजोर मांग की थी कि वे तांदुला जलाशय से तत्काल शिवनाथ नदी में पानी छोड़े।

विश्व तंबाकू दिवस पर रेलवे स्टेशन में व्यसनमुक्त प्रदर्शनी

भिलाई/नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, राजयोग भवन सेक्टर-7 भिलाई तथा राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में व्यसनमुक्त आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन प्रातः 7 बजे से किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, एफएस.एन.एल. के पंकज त्यागी (सी जी एम एच आर) तथा भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन की पर्यवेक्षक भोई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने बताया कि धूम्रपान, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों में अनेक हानिकारक रसायन होते हैं, जो हमारे मस्तिष्क और शरीर को गंभीर क्षति पहुंचाते हैं। नशे के सेवन से व्यक्ति को क्षणिक राहत अथवा आराम का अनुभव होता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत उसकी कमजोरी बनकर अनेक शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं का कारण बन जाती है तथा परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है।

उन्होंने कहा कि युवा वर्ग प्रायः शौक अथवा साथियों के प्रभाव में नशे की शुरुआत करता है, लेकिन समय के साथ तनाव, चिंता और परेशानियों के कारण उसका सेवन बढ़ता जाता है और व्यक्ति इसकी लत का शिकार हो जाता है।

त्रिदिवसीय निःशुल्क योग एवं पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण, शिविर के दूसरे दिन भी उत्साहपूर्वक भागीदारी

बताए योग से निरोगी और ऊर्जावान जीवन जीने के सरल उपाय

भिलाई/नवप्रदेश। स्वामी रामदेव के शिष्य एवं पतंजलि योग समिति के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव के सानिध्य में आयोजित त्रिदिवसीय निःशुल्क योग एवं पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन लगभग 900 से 1000 शिविरार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मनसा कॉलेज परिसर कोहका में अपने प्रेरक उद्बोधन में स्वामी परमार्थ देव ने योग की बारीकियों के साथ-साथ एक्यूप्रेशर के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करने की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग, प्राणायाम एवं प्राकृतिक जीवनशैली के माध्यम से स्वस्थ, निरोगी एवं ऊर्जावान जीवन जीने के सरल उपाय बताए। शिविर के मध्य में पतंजलि संगठन द्वारा आयोजित गुरुकुल समर कैंप के बच्चों ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर 25 दिवसीय सहयोगी योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 124 सहयोगी योग शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। ये योग शिक्षक भविष्य में हरिद्वार में स्वामी रामदेव के सानिध्य में मुख्य शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे तथा योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के प्रचार-प्रसार हेतु समाज में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। स्वामी परमार्थ देव ने मंच से ही आगामी 25 दिवसीय सहयोगी योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो 28 जून से प्रारंभ होगा, के लिए पंजीयन कराने हेतु उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया। शिविर के दौरान ही 60 से अधिक प्रतिभागियों ने सहयोगी योग शिक्षक प्रशिक्षण हेतु अपना पंजीयन फॉर्म जमा किया। कार्यक्रम के पश्चात दुर्ग, महासमुंद, कवर्धा एवं बालोद जिलों से आए पतंजलि योग समिति के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्वामी परमार्थ देव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ एवं निरोगी बनाने तथा उसके भीतर राष्ट्रभाव जागृत कर राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने हेतु निरंतर अथक प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के सफल आयोजन एवं जन-जागरण के लिए विस्तृत कार्ययोजना भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर तिलक साव, सुरेश चंद्रवंशी, रविंद्र स्वर्णकार, कमलेश सोनी, इला हरि प्रसाद राव, राजीव नायर सीएसवीटीयू, चौधरी अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज, कल्पना स्वामी डीएस शिक्षा विभाग, विनोद उपाध्याय महासचिव, ब्राह्मण समाज और सक्सेना सहित अन्य विशिष्टजन सम्मिलित थे।

न्यूज गैलरी

भीषण गर्मी में वार्डवासियों को राहत पार्षद ने कराई पानी टैंकर की व्यवस्था

छुरिया/नवप्रदेश। नगर पंचायत छुरिया के वार्ड क्रमांक 06 में भीषण गर्मी के चलते पेयजल संकट गहरा गया है। पानी की कमी से परेशान वार्डवासियों को राहत पहुंचाने के लिए वार्ड पार्षद अनिल लारोकर ने तत्परता दिखाते हुए पानी टैंकर की व्यवस्था कराई। गर्मी के बढ़ते प्रकोप और जलस्त्रोतों के प्रभावित होने के कारण वार्ड के कई परिवारों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति को देखते हुए पार्षद अनिल लारोकर ने तत्काल पहल करते हुए टैंकर के माध्यम से घर-घर पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की, जिससे वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे पानी लेने पहुंचे। वार्डवासियों ने पार्षद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में जनप्रतिनिधि द्वारा की गई यह व्यवस्था लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। पार्षद अनिल लारोकर ने कहा कि ÷वार्डवासियों को पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है। जब तक पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

नपा में निरंजन सिन्हा का आत्मीय स्वागत

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिला सहकारी केंद्रीय ग्रामीण बैंक रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिंन्हा का प्रथम नगर आगमन पर नगर पालिका में सौजन्य मुलाकात के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने पुष्प गुच्छ भेंटकर निरंजन सिन्हा का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया गया। सौजन्य भेंट के दौरान उपाध्यक्ष अनिमेष कश्यप का भी स्वागत किया गया, नगर पालिका में स्वागत अभिनंदन के दौरान जितेंद्र डड़सेना, कन्हैया सेन,आदित्य गुप्ता, अमितेष नेताम, श्रीमती रेखा पोषण पटेल, श्रीमती श्रद्धा मनीष वर्मा, रोहित साहू, लोकेश चेलक ,सतीश पटेल ,सुरेश घृतलहरे, गौतम सिंह चैहान, श्रीमती डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, श्रीमती मंजू फेकर , सलमान शेख,ममता सुभाष राव ,सहित पार्षद प्रतिनिधि शशि भूषण शुक्ला, सुभाष राव, मनीष वर्मा ,रवि फेकर, रविंद्र नामदेव उपस्थित थे।

जिपं उपाध्यक्ष के प्रयासों से आदिवासी विखं को मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

गरियाबंद/नवप्रदेश। आदिवासी विकासखंड के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विकासखंड

गरियाबंद के दस पंचायतों में उपस्वास्थ केन्द्र भवन निर्माण की स्वीकृति कराई गई है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति लालिमा पारस ठाकुर के सतत प्रयासों और जनहित में की गई पहल के परिणामस्वरूप क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्रीमती ठाकुर ने कहा कि उक्त कार्य की स्वीकृति मिलने में सबसे अहम योगदान सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी राजिम विधायक श्री रोहित साहू एवं भाजपा ज़िलाध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर जी का है । लंबे समय से स्वास्थ्य संसाधनों की कमी से जूझ रहे ग्रामीणों को अब उपचार, जांच और अन्य आवश्यक चिकित्सीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित विभाग के मंत्री एवं अधिकारियों के समक्ष आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं को व्यवस्थित करने हेतु वनांचल क्षेत्र के गाँवो में उपस्वास्थ केन्द्र भवन निर्माण की मांग की थी। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की नियुक्ति, आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था तथा भवन और आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर उपचार मिलेगा तथा गंभीर मरीजों को दूरस्थ शहरों की ओर जाने की मजबूरी कम होगी। इससे आदिवासी अंचल के लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य सुरक्षा में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।जिन पंचायतों को स्वास्थ्य सुविधाएं की सौगात मिली है उनमें बारुला, कौंदकेरा, खरहरी, बरबहारा, हरदी, मोहंदा, दर्रिपारा, जोबा, सढ़ौली एवं सिकासेर शामिल हैं । इन सभी गाँवों में प्रत्येक उपस्वास्थ केंद्र भवन निर्माण हेतु 28.51 लाख की स्वीकृत प्राप्त हुई है । ठाकुर ने उक्त कार्य की स्वीकृति मिलने पर प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय जी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सांसद रूपकुमारी चौधरी जी, विधायक रोहित साहू एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर के प्रति आभार व्यक्त किए हैं ।

मन की बात में प्रधानमंत्री ने गर्मी, खेल, संस्कृति और विज्ञान पर रखे विचार

■ विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना 134वां एपिसोड

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड का प्रसारण रविवार को देशभर में किया गया। महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने बूथ क्रमांक-215, बीटीआई शक्ति केंद्र स्थित विधायक कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया।

इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री अग्रज शर्मा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमन वर्मा, भाजपा नेता प्रकाश शर्मा, नंदू जलक्षत्री, चुनेश्वरी साहू, रामेश्वर पटवा, सुरेश साहू और गोपी कन्नौजे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले कार्यकाल से लगातार प्रत्येक माह 'मन की बात' के माध्यम से देशवासियों से संवाद कर रहे हैं।

100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ियों की सराहना : प्रधानमंत्री मोदी ने देश के दो चर्चित एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 100 मीटर दौड़ का एक इवेंट इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। महज दो दिनों के भीतर पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। प्रधानमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे भारतीय खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

चोलकालीन ताम्र पट्टिकाओं की भारत वापसी का किया जिक्र: अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने नीदरलैंड दौरे का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां आयोजित समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई हैं।

गर्मी से राहत के लिए देशी पेय पदार्थों का किया उल्लेख

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने देश में पड़ रही भीषण गर्मी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपराओं में गर्मी से बचाव के कई उपाय हमारी रसोई और खानपान संस्कृति में मौजूद हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों में प्रचलित पारंपरिक एवं देशी पेय पदार्थों का उल्लेख करते हुए उनके महत्व को रेखांकित किया। साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में पाए जाने वाले आम की विभिन्न प्रजातियों और उनकी विशेषताओं पर भी चर्चा की।

विधायक रोहित ने जिलेवासियों की ओर से मुख्यमंत्री साय, स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल और वित्त मंत्री चौधरी का जताया आभार

जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिली बड़ी सौगात

■ 26 नए उपस्वास्थ्य केंद्रों के लिए 7.41 करोड़ रुपए स्वीकृत

अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाना हमारा लक्ष्य : रोहित साहू

लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों के सुव्यवस्थित भवनों की मांग की जा रही थी। इस स्वीकृति से वनांचल और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब और आदिवासी परिवारों को इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रत्येक केंद्र को मिलने वाले 28.51 लाख रुपए से स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर सुधरेगा और डॉक्टरों व स्टाफके लिए बेहतर माहौल तैयार होगा। मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल जी और वित्त मंत्री ओपी चौधरी जी का गरियाबंद जिले की जनता की ओर से आभार व्यक्त करता हूं। हमारी सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ काम कर रही है, जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता है। मैं इस संवेदनशीलता के लिए छग प्रदेश की सुशासन वाली सरकार का आभारी हूँ।

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार प्रदेश के वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के ग्रामीण इलाकों अर्थात ग्राम पंचायतों में स्थित 26 उपस्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। जिले के छुरा और मैनपुर विकासखंड में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूती देने के लिए ग्राम पंचायतों के 26 नए उपस्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण हेतु 7 करोड़ 41 लाख 26 हजार रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का गरियाबंद जिले की जनता की ओर से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। विधायक रोहित साहू ने कहा कि इन नए भवनों के निर्माण से ग्रामीण अंचल के लोगों को उनके घर के पास ही बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी तथा आमजनों को अब स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

इस बजटीय स्वीकृति के तहत गरियाबंद जिले के छुरा और मैनपुर विकासखंडों को समान रूप से बजट आवंटित किया गया है जिसमें छुरा विकासखंड के कुल 13 उपस्वास्थ्य केंद्रों क्रमशः पिपरछेड़ी, गायडबरी, मुड़ागांव, सिवनी, मुढ़ीपानी, सेम्हरा, कुटेना, तौरेंगा, घटकर्रा, अमलोर, द्वारतरा, बोड़राबांधा और कनेसर ग्राम पंचायत के लिए 3 करोड़ 70 लाख 63 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक उपस्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण पर 28.51 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार आदिवासी बाहुल्य विकासखंड मैनपुर के भी 13 स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 3 करोड़ 70 लाख 63 हजार रुपए की मंजूरी मिली है। यहाँ भी प्रत्येक केंद्र को 28.51 लाख रुपए का बजट मिलेगा। मैनपुर ब्लॉक के बिरीघाट, डेंडुपदर, ढोर्रा, गोलामाल, गुरुजीभाटा (अ), कांडेकेला, मैनपुर खुर्द, छिंदौला, भाठीगढ़, पदमपुर, घूमरापदर, खरीपथरा और सुकलीभाठा ग्राम पंचायत में नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इस प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के बाद गरियाबंद जिले के वनांचल क्षेत्रों में हर्ष का माहौल है।

दीनदयाल उपाध्याय चौक में लोकार्पण होने के बाद भी पुराना चौक दे रहा दुर्घटनाओं को नेवता

खरोरा/नवप्रदेश। नगर का हृदय स्थल पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक में लोकार्पण होने के बाद भी पुराना चौक दे रहा है दुर्घटनाओं को नेवता* खरोरा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक जो नगर का हृदय स्थल कहे जाने वाला चौक है जिसका लोकार्पण आज से कुछ महीने पहले क्षेत्रीय विधायक मां पदम श्री अनुज शर्मा जी एवं खरोरा के जनप्रतिनिधि गणों के सहयोग से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का लोकार्पण कार्यक्रम किया गया उसके बाद भी पुराना बदहाल जर्जर वहां यथावत पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक स्थित है जो आज दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है पूर्व में सरस्वती शिशु मंदिर के नवमीं के मासूम छात्र का हादसा बेहद दर्दनाक रूप से हुआ उस बच्चे का घटनास्थल पर ही मौत हो गया उसके बाद भी आज आए दिन यहां दुर्घटना होते रहता है जबकि यहां कुछ दूरी पर स्वामी आत्मानंद स्कूल हैऔर बच्चों को जाने का एकमात्र रास्ता है और यह मुख्य चौक चारों दिशा में जाने वाला चौगडडा है जिसमें यह जर्जर पुराना पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक के कारण 24 घंटा बड़ा हादसा बड़ा दुर्घटना होने का पूर्ण संभावना रहता है और यह चौक दुर्घटनाओं को नेवता दे रहा है जबकि यहां पर पूर्व में कई दुर्घटनाएं हो चुकी है उसके बाद भी नगर पंचायत खरोरा के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण संज्ञान में नहीं ले रहे हैं इसके जिम्मेदार कौन है शासन प्रशासन या नगर पंचायत खरोरा जिसे इस संबंध में तत्काल ध्यान आकर्षण कर हटाने की व्यवस्था करें ताकि यह चौक आने जाने वाले राहगीरों के लिए एक सुगम मार्ग बन सके।

नशा नाश की जड़ है: विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता का संदेश

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वर्मा सुपर मल्टी-स्पेशियलिटी डेंटल क्लिनिक, पैथोलॉजी एवं एक्स-रे सेंटर द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान नागरिकों को संदेश दिया गया कि ÷नशा नाश की जड़ है÷ और स्वस्थ जीवन के लिए तंबाकू तथा अन्य नशीले पदार्थों का त्याग आवश्यक है।

कार्यक्रम में डॉ धीरेंद्र वर्मा (दंत रोग विशेषज्ञ)बताया गया कि तंबाकू का सेवन न केवल दांतों और मसूड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों तथा अन्य कई जानलेवा समस्याओं का कारण भी बनता है। विशेषज्ञों ने कहा कि गुटखा, खैनी, बीड़ी, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद धीरे-धीरे शरीर को खोखला कर देते हैं और व्यक्ति की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं।

क्लिनिक के संचालक डॉ. धीरेंद्र वर्मा (दंतरोग विशेषज्ञ) ने कहा कि तंबाकू छोड़ने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के दांत स्वस्थ रहते हैं, सांस की दुर्गंध दूर होती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए नशे से दूरी बनाएं तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

अभियान के दौरान लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा यह समझाया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

नपं और पीएचई विभाग की बड़ी लापरवाही भीषण गर्मी में लोगों को मिल रहा गर्म पानी

डोंगरगाँव/नवप्रदेश। एक ओर शासन द्वारा ÷सुशासन तिहार÷ के माध्यम से जनता तक योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत डोंगरगाँव के करियाटोला वार्ड 9 मे नगर पंचायत एवं पीएचई विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है वार्डवासियों का आरोप है कि भीषण गर्मी के इस दौर में उन्हें पेयजल के नाम पर गर्म पानी सप्लाई किया जा रहा है। तपती धूप और बढ़ते तापमान के बीच नलों से निकल रहा गर्म पानी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पीने योग्य ठंडा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन विभाग की उदासीनता के कारण उन्हें मजबूरी में गर्म पानी पीना पड़ रहा है।

लोगों ने आशंका जताई है कि लगातार गर्म पानी पीने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वार्ड के रहवासियों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

विडंबना यह है कि सुशासन तिहार के दौरान अधिकारी और जनप्रतिनिधि योजनाओं की सफलता का ढिंढोरा पीट रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। करिया टोला वार्ड के लोग मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं और जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

नागपुर से संचालित ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़

सरगना समेत तीन गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले की सांकरा पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए नागपुर (महाराष्ट्र) से संचालित एक सट्टा नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में गिरोह के मुख्य संचालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन तथा नगदी राशि जब्त की है। मोबाइल फोन की जांच में ऑनलाइन सट्टे से संबंधित चैट, ट्रांजेक्शन स्क्रीनशॉट और फोन पे के माध्यम से हजारों से लेकर लाखों रुपये तक के संदिग्ध लेन-देन के प्रमाण मिले हैं।

पुलिस के अनुसार थाना सांकरा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भगतदेवरी क्षेत्र में आईपीएल क्रिकेट मैचों के दौरान रुपये-पैसों का दांव लगाकर ऑनलाइन सट्टा खेला और खिलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर मामले की जांच की। जांच के दौरान आरोपी नरेश निषाद (40 वर्ष), पिता जुनु निषाद, निवासी भगतदेवरी।

मनोहर मांझी (38 वर्ष), पिता उत्तम मांझी, निवासी नवागांव टुकड़ा, सांकरा के मोबाइल फोन खंगाले गए। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे नागपुर के जैतला महाराष्ट्र निवासी मधुसूदन ठाकरे (40 वर्ष), पिता राजेंद्र ठाकरे मुख्य संचालक के संपर्क में रहकर आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाते थे। सट्टे में हार-जीत का भुगतान स्थानीय व्यक्तियों के माध्यम से तथा डिजिटल माध्यम फोन पे के जरिए किया जाता था। पुलिस ने मामले में नरेश निषाद, मनोहर मांझी, मुख्य संचालक मधुसूदन ठाकरे तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अंडे के अंदर मिले कीड़े, खाद्य सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

सावधान ऐगरोल,अंण्डा करी खाने वाले

छुरा/नवप्रदेश। छुरा नगर में सामने आए एक मामले ने अंण्डा खाने के शौकीनों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय बाजार से खरीदे गए एक अंडे के अंदर कीड़े मिलने के बाद लोगों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खास बात यह है कि बाजार और चौक-चौराहों पर बड़ी संख्या में लोग एग रोल, अंण्डा चानी, अंण्डा पाउच, ऑमलेट और अन्य अंण्डा व्यंजनों का स्वाद बड़े चाव से लेते हैं। ऐसे में इस तरह की घटना ने उपभोक्ताओं को सतर्क रहने पर मजबूर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार एक ग्रामीण ने फार्म बाजार से अंण्डा खरीदकर घर ले गया था। अंण्डे को उबालने के बाद जब उसका छिलका उतारा गया तो अंदर कीड़े दिखाई दिए। यह देखकर परिवार के सदस्य हैरान रह गए और अंण्डे को तुरंत फेंक दिया गया। घटना के बाद लोगों का कहना है कि यदि घर में उपयोग किए जाने वाले अंण्डों की यह स्थिति है तो बाजारों और ठेलों में उपयोग हो रहे अंण्डों की गुणवत्ता की भी नियमित जांच होनी चाहिए। नगर के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन सैकड़ों लोग एग रोल, अंण्डा चानी, अंडा पाउच और अन्य फास्ट फूड का सेवन करते हैं। ऐसे में खराब या सड़े अंण्डों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

ग्रामीणों ने खाद्य एवं औषधि विभाग से बाजार में बिक रहे अंण्डों और उनसे तैयार खाद्य पदार्थों की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

छुरा नगर के अनेकों अंण्डा खाने के शौकीन लोगों ने बताया कि नगर के अलग-अलग अंण्डा दुकान से कच्चा अंण्डा खरीद कर घर पर सब्जी बनाने के लिए ले गए जंहा उबाल कर छिलने के बाद कंटिग करने पर अंण्डे के अंदर भाग में काले काले मरे हुए किडे नजर आने लगा, इसके पहले कभी भी इस तरह की शिकायत नहीं मिला।

आज अनेकों लोगों ने काले किडे पताडी नुमा अंण्डे के भीतर मिलने की शिकायत किए। जानकार लोगों का कहना है कि अत्यधिक गर्मी के कारण शायद कीड़े लगा होगा।सेम्पल जांच होने पर ही सही तथ्य पता चल सकेगा ।

उप चुनाव: चुनाव मैदान में सरपंच पद के लिए 11 और पंच के लिए 62 उम्मीदवार, कुल 14 पोलिंग बूथ बनाए गए

सरपंच व पंच के तीस पदों पर उपचुनाव के लिए मतदान आज

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। त्रिस्तरीय पंचायत उपनिर्वाचन 2026 अंतर्गत जिले में सरपंच एवं पंच के कुल 30 पदों पर उप चुनाव हेतु मतदान सोमवार 1 जून 2026 को होगा। इसमें 3 पद सरपंच एवं 27 पद पंच के शामिल हैं। सरपंच पद के लिये 11 एवं पंच के लिये 62 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में मतदान हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है। रविवार को विकाखंड मुख्यालय में अंतिम प्रशिक्षण उपरांत मतदान दल सामग्री लेकर मतदान संपन्न कराने अपने निर्धारित मतदान केंद्रों के लिये रवाना हुए। मतदान के लिये कुल 14 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। मतदान बैलेट पेपर से प्रातः7 बजे से अपरान्ह 3बजे तक निर्धारित मतदान केंद्रों में होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी निशा नेताम मड़ावी से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकुरदी में सरपंच पद हेतु 5 एवं पंच के 9 पद हेतु 18 अभ्यर्थी हैं। ग्राम पंचायत कोलिहा में पंच के 1 पद हेतु 4 उम्मीदवार हैं। विकासखंड भाटापारा के ग्राम पंचायत देवरी में पंच उउम एक पद हेतु 4 एवं ग्राम पंचायत मल्दी में पंच के पद हेतु 2, विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत दतान ख में पंच पर 2 अभ्यर्थी हैं। विकासखंड सिमगा के ग्राम पंचायत दावनबोड में सरपंच पद हेतु 3, ग्राम पंचायत जरौद एवं कोलिहा में पंच के एक-एक पद पर 2 - 2 अभ्यार्थी हैं।

विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत कोट (क) में सरपंच पद हेतु 4 एवं पंच के 10 पद हेतु 23 उम्मीदवार, ग्राम पंचायत मडकडा में पंच के 2 पद हेतु 4 उम्मीदवार हैं। त्रिस्तरीय पंचायतों में 1 जून सोमवार को मतदान संपन्न होने के बाद मतदान केंद्र पर ही मतगणना की जायेगी और यदि आवश्यक हुआ तो विकासखण्ड मुख्यालय पर 2 जून मंगलवार को प्रातः 9 बजे से मतगणना किया जाएगा।

कलेक्टर बीएस उइके ने नागरिकों का किया आभार

गरियाबंद/नवप्रदेश। जनगणना 2027 के अंतर्गत जिले में प्रथम चरण (फेज-1) मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक सफलतापूर्वक संपादित किया गया। यह राष्ट्रीय महत्व का अभियान देश एवं राज्य के भविष्य के विकास की ठोस नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों द्वारा जिले के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं परिवार से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 बिंदुओं पर जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से संकलित की गई।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन सुशासन और जनसेवा का आदर्श उदाहरणः विजय

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा / नवप्रदेश। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ग्राम राम्हेपुर में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा उनके आदर्शों और लोककल्याणकारी कार्यों को स्मरण किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रपाल धनकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, जिलाध्यक्ष श्री भाईराम पाली, श्री मिलू साहू सहित जनप्रतिनिधिगण, गडरिया समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान विभूति थीं, जिन्होंने अपने न्यायपूर्ण शासन, जनसेवा, धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने न केवल मालवा क्षेत्र को समृद्ध और सुशासित बनाया, बल्कि देशभर में अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं और जनहित के निर्माण कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आस्था को सशक्त आधार प्रदान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन महिला सशक्तिकरण, सुशासन, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए समाज के लिए आदर्श स्थापित किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और अपने शासनकाल में न्याय, समानता एवं लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके विचार और कार्य आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

न्यूज गैलरी

केशव यदु रेलवे की सेवा से हुए सेवानिवृत्त

भाटापारा / नवप्रदेश। स्थानीय रेलवे टिकट घर के मुख्य बुकिंग सुपरवाइजर केशव प्रसाद यदु अपनी रेलवे की शासकीय सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए।श्री यदु ने लगभग 38 वर्ष 8 माह की सेवा रेल्वे को दी।उनके सेवानिवृत के अवसर पर रेल परिवार से जुड़े विभिन्न शाखाओं के रेल अधिकारी कर्मचारियों ने एक आयोजन कर उन्हें सम्मानित रूप से बधाई देते हुए उनके सफल सुखद और दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की। स्थानीय रेल टिकट घर में केशव यदु के सम्मान में एक संक्षिप्त बिदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मंच पर सेवानिवृत श्री लाल दास,एम एल यादव,तुलादास के साथ चीफ स्टेशन मैनेजर अजय कुमार एवं केशव यदु मंचस्थ थे।कार्यक्रम में उपस्थित रेल अधिकारियों ने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारी केशव यदु को स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यकाल की भूरि भूरि प्रशंसा की।

तुमगांव–महासमुंद सड़क निर्माण की धीमी रफ्तार पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

महासमुंद / नवप्रदेश।। तुमगांव से महासमुंद तक चल रहे सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति और गुणवत्ता को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महासमुंद ग्रामीण की अध्यक्ष अन्नू चंद्राकर ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य शुरू हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज भी कई स्थानों पर कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।अन्नू चंद्राकर ने बताया कि सड़क के कई हिस्सों में लेवलिंग और गिट्टी बिछाने का कार्य करीब चार माह पहले पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक डामरीकरण नहीं किया गया है। इसके कारण सड़क पर लगातार धूल उड़ रही है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों, व्यापारियों और आसपास के रहवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के चलते दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है।

ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ के जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर पुरोहित एवं ब्लाक अध्यक्ष बने शंकर सोनी

भाटापारा / नवप्रदेश। ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चौबे प्रदेश महासचिव तरुण कौशिक प्रदेश कोषाध्यक्ष रामनारायण यादव का रविवार को भाटापारा आगमन हुआ। इसी दौरान मीडिया संघ के सदस्यों से स्थानीय विश्राम गृह मे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ के तत्वाधान मे उत्कृष्ट सम्मान समारोह का आयोजन जून माह मे करने तथा विभिन्न क्षेत्रों मे कार्य करने वालों को केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के विशिष्ट अतिथ्य मे सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें पत्रकारिता क्षेत्र से जुडे पत्रकार जन को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ के प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा से श्याम सुन्दर पुरोहित को जिलाध्यक्ष , कोमल शर्मा को जिला उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया एवं भाटापारा मंडल ईकाई के लिए पुनः शंकर लाल सोनी को ब्लॉक ईकाई अध्यक्ष, संजय तिवारी उपाध्यक्ष , लक्ष्मीनारायण सोनी सचिव,ललित तिवारी कोषाध्यक्ष एवं मधु सोनी को सहसचिव नियुक्त किया गया।

मां सर्वेश्वरी समूह ने रेलवे स्टेशन के समीप राहगीरों को पिलाया शरबत

भाटापारा / नवप्रदेश।श्री सर्वेश्वरी समूह सिद्ध बाबा धौरा भाटा भाटापारा के द्वारा इस भीषण गर्मी में राहगीरों को पीने की पानी की व्यवस्था के साथ नींबू शरबत का वितरण किया गया। विदित हो की समूह के द्वारा समय-समय पर समूह के मूल सिद्धांतों के अनुरूप जनहित में कार्य किए जाते हैं चाहे वह सामाजिक हो या फिर सामाजिक जागृति की चेतना, जिसके तहत ठंड के समय में उनके द्वारा कंबल वितरण निर्धन बच्चों को कापी पुस्तक का वितरण एवं कुष्ठ रोगियों को दवाइयां का वितरण इसके साथ ही संस्था के द्वारा गुरुकुल पद्धति के अनुरूप शिक्षण संस्थान भी संचालित किए जाते हैं ।इसमें गौर करने वाली बात यह है कि स्थानीय मां सर्वेश्वरी मंदिर में प्रतिदिन तीन प्रातः दोपहर एवं संध्या की बेला में आरती होती है जिसमें नगर के श्रद्धालु गण उपस्थित होकर अपनी मनोकामना को साध कर आरती में सम्मिलित होते हैं ।

---

8 दिनों से भटक रहा मरीज, छुईखदान स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

रक्तदान में आगे, लेकिन जरूरत पर नहीं मिल रहा खून, जिम्मेदार मौन

छुईखदान / नवप्रदेश।। छुईखदान एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर लोग जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करते हैं। रक्तदान शिविरों में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलती है। लेकिन विडंबना यह है कि जब क्षेत्र के किसी व्यक्ति को स्वयं रक्त की आवश्यकता पड़ती है, तब उसे समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसा ही एक मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसने छुईखदान की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामला छुईखदान क्षेत्र के ग्राम भाटापारा निवासी जेठू राम मंडावी का है। परिजनों के अनुसार जेठू राम मंडावी पिछले करीब आठ दिनों से आवश्यक रक्त की व्यवस्था के लिए भटक रहे हैं। बताया जा रहा है कि रक्त उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के तहत उन्होंने अपने स्तर पर तीन लोगों से रक्तदान भी करवाया, लेकिन इसके बावजूद अब तक उन्हें आवश्यक रक्त नहीं मिल पाया है। लगातार चक्कर लगाने और इंतजार के बाद भी समाधान नहीं निकलने से परिवार में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

परिजनों का कहना है कि जब रक्त के बदले रक्तदान की शर्त पूरी कर दी गई है, तब भी मरीज को रक्त नहीं मिलना समझ से परे है। उनका सवाल है कि यदि किसी गंभीर मरीज को समय पर रक्त नहीं मिले तो उसकी जान की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

रक्तदान करने वाले ही हो रहे परेशानः क्षेत्र में हर वर्ष विभिन्न सामाजिक संगठनों और युवाओं द्वारा रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं। बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं ताकि जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सके। लेकिन स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब जरूरत पड़ने पर उसी क्षेत्र के व्यक्ति को रक्त नहीं मिल रहा है, तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है।

लोगों का कहना है कि रक्तदान करने वालों की भावना का सम्मान तभी होगा, जब जरूरत के समय मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। अन्यथा रक्तदान अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे।

रक्त बैंक भवन तैयार, लेकिन आज तक शुरू नहीं हुआ संचालनः छुईखदान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्त बैंक भवन का निर्माण काफी समय पहले पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक उसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप क्षेत्र के मरीजों को रक्त के लिए जिला मुख्यालय और अन्य अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि छुईखदान में रक्त बैंक शुरू हो गया होता तो जेठू राम मंडावी जैसे मरीजों को इस तरह दर-दर भटकने की नौबत नहीं आती। आपातकालीन परिस्थितियों में स्थानीय स्तर पर रक्त उपलब्ध हो सकता था और मरीजों को समय पर राहत मिल पाती।

107 पंचायतों की आबादी, फिर भी बुनियादी सुविधाओं का अभावः छुईखदान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लगभग 107 पंचायतों की आबादी निर्भर है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज यहां उपचार के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया है।

कलेक्टर ने जनगणना में सहयोग के लिए जिलेवासियों का जताया आभार

■ **दो चरणों में हो रही है जनगणना, पहला चरण था मकान सूचीकरण**

कवर्धा / नवप्रदेश। जनगणना 2027, हमारे देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जो केवल आंकड़ो का संकलन नहीं बल्कि भविष्य के भारत और हमारे राज्य व जिले के विकास की ठोस नींव तैयार करने का कार्य करेगा। यह प्रक्रिया हमें यह समझने में सक्षम बनाती है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास के लाभ किस प्रकार और कितनी प्रभावशीलता से पहुँच रहे हैं।भारत की जनगणना 2027 का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण यथा मकानसूचीकरण एवं मकानों के गणना का फील्ड कार्य 01 मई 2026 से प्रारम्भ होकर 30 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपादित हो गया है।

द्वितीय चरण जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी, 2027 में संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण में की गई मकान सूचीकरण का कार्य द्वितीय चरण के जनसंख्या गणना कार्य के लिए एक फ्रेम प्रदान करती है, जिससे कि द्वितीय चरण जनसंख्या गणना कार्य के दौरान कोई भी मकान एवं उसमें रहने वाले परिवार गणना से न छूटे। प्रथम चरण मकान सूचीकरण कार्य के दौरान राज्य के सभी ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न जो कि मकानों की स्थिति, परिवारों का उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित थी, की जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से संकलित की गई। अब यह जानकारी भारत सरकार के सर्वर में सुरक्षित रख ली गई है। प्रथम चरण मकान सूचीकरण कार्य कबीरधाम के तहसीलों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में कुशलता एवं शांतिपूर्वक संपादित किया गया। इस दौरान जिले के समस्त क्षेत्रों को पूर्ण रूप से कवर किया गया एवं कोई भी क्षेत्र गणना कार्य से नहीं छूटा है। प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करने के दौरान कबीरधाम जिले के निवासियों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ है।

गणेश प्रतिमाएं मूल स्वरूप में स्थापित करने की मांग, विहिप ने सौंपा ज्ञापन

महासमुंद / नवप्रदेश। आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) जिला महासमुंद ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) अक्षा गुप्ता को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के नाम ज्ञापन सौंपकर गणेश पूजा पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं उनके मूल स्वरूप में स्थापित कराने की मांग की है।विहिप के जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर ने बताया कि पिछले वर्ष गणेशोत्सव के दौरान कुछ स्थानों पर कार्टून आधारित एवं अशोभनीय स्वरूप की गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं, जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं। इस पर प्रदेशभर में विरोध दर्ज कराया गया था तथा कुछ स्थानों पर प्रशासन द्वारा ऐसी प्रतिमाओं को हटाकर तत्काल विसर्जन की कार्रवाई भी की गई थी।उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए समय रहते प्रशासन से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। साथ ही जिले के मूर्तिकारों एवं गणेशोत्सव समितियों से भी भगवान गणेश की प्रतिमाओं का निर्माण और स्थापना केवल पारंपरिक एवं मूल स्वरूप में करने का आग्रह किया गया है।

सहसपुर लोहारा में आज सुबह 8 बजे से शाम पांच बजे तक होगा मतदान, 5,142 मतदाता डालेंगे वोट

कवर्धा/ नवप्रदेश। उप निर्वाचन 2026 के तहत नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद तथा ग्राम पंचायत उड़ियाखुर्द के वार्ड क्रमांक-08 एवं ग्राम पंचायत पोलमी के वार्ड क्रमांक-14 के रिक्त पंच पदों के लिए 1 जून को मतदान कराया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में निर्वाचन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान संपन्न कराने के लिए रविवार को मतदान दलों को संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया।

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के लिए मतदान दलों को स्वामी आत्मानंद विद्यालय से रवाना किया गया। वहीं ग्राम पंचायत पोलमी के लिए जनपद पंचायत पंडरिया तथा उड़ियाखुर्द के लिए जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा से मतदान दलों को भेजा गया।

नगर पंचायत में 4 जून को होगी मतगणना

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में 1 जून को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतदान के बाद मतपेटियों को सुरक्षित रखा जाएगा तथा 4 जून को सुबह 9 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। मतगणना पूर्ण होने के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

वहीं ग्राम पंचायत उड़ियाखुर्द और पोलमी में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्रों पर ही मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

सहसपुर लोहारा में बनाए गए 15 मतदान केंद्र

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के 15 वार्डों के लिए 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें साहू समाज सामुदायिक भवन, साहूपारा सामुदायिक भवन, विद्युत वितरण केंद्र भवन, सतनामी पारा सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी केंद्र पटेल पारा, जल संसाधन विभाग कार्यालय, पुराना तालाब स्थित आंगनबाड़ी भवन, सेन-श्रीवास समाज सामुदायिक भवन, बालक प्राथमिक शाला, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, पुराना कन्या प्राथमिक शाला भवन, तहसील कार्यालय के पास स्थित सामुदायिक भवन तथा नवापारा के आंगनबाड़ी एवं प्राथमिक शाला भवन शामिल हैं।

5142 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में कुल 5,142 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 2,491 महिला एवं 2,651 पुरुष मतदाता शामिल हैं।

इसके अलावा ग्राम पंचायत उड़ियाखुर्द के वार्ड क्रमांक-08 में 86 मतदाता (41 महिला, 45 पुरुष) तथा ग्राम पंचायत पोलमी के वार्ड क्रमांक-14 में 79 मतदाता (33 महिला, 46 पुरुष) मतदान करेंगे।

निर्वाचन प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

निर्वाचन प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली हैं। मतदान दलों की रवानगी के साथ ही उपचुनाव की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है।

---

3 किलोवॉट सोलर पैनल स्थापना से बिजली बिल में मिल रही राहत, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाः लाभान्वित हुए नारद राम

गरियाबंद/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को बिजली खर्च में राहत प्रदान करने का माध्यम बन रही है। इसी कड़ी में फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम कौंदकेरा निवासी श्री नारद राम यादव भी इस महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित हुए हैं। श्री नारद राम यादव का बी.पी. क्रमांक 1004500396 है। उन्होंने अपने आवास में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय पोर्टल पर 29 सितम्बर 2025 को ऑनलाइन पंजीयन कराया था। आवेदन की स्वीकृति के बाद योजना के तहत अधिकृत वेन्डर सन रेडियेशन पॉवर सॉल्यूशन द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार उनके घर पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किया गया।

सोलर संयंत्र स्थापना के पश्चात आवश्यक तकनीकी निरीक्षण एवं परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण की गई। फाइनल इंस्पेक्शन के उपरांत 01 अक्टूबर 2025 को परिसर में नेट मीटर स्थापित कर सोलर सिस्टम के सिंक्रोनाइजेशन की प्रक्रिया भी सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई। इसके बाद सौर ऊर्जा उत्पादन प्रारंभ हो गया और उपभोक्ता को योजना का प्रत्यक्ष लाभ मिलने लगा। सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होने के बाद श्री नारद राम यादव को विद्युत बिल में उल्लेखनीय राहत मिल रही है। नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से सोलर संयंत्र द्वारा उत्पादित विद्युत ऊर्जा तथा उपभोग की गई बिजली के आधार पर जनरेशन, इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट यूनिट का आकलन किया जाता है। इसके अनुसार उन्हें प्रतिमाह सोलर ऊर्जा उत्पादन की राशि का लाभ एवं बिजली बिल में छूट प्राप्त हो रही है।

श्री नारद राम यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से उन्हें आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का अवसर भी मिला है। उन्होंने अन्य उपभोक्ताओं से भी इस योजना का लाभ उठाकर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को अपनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले में लगातार सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलने के साथ-साथ अक्षय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिल रहा है।

वर्षों पुराने मकान पर होगा नवनिर्माण निवासरत कर्मियों को मिलेगा नया मकानः अशोक जैन

बलौदाबाजार / नवप्रदेश। । नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत विगत 70 वर्षों से भी अधिक पुराने स्वच्छता कर्मियों की जर्जर आवास की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सर्व सुविधा युक्त बेहतर आवास की व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने शासन को कार्य योजना तैयार कर भेजी गई थी। अत्यंत जर्जर आवास की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए नए निर्माण की मांग भी की गई थी, कैबिनेट मंत्री व विधायक टंकराम वर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा दोनों स्वीपर कॉलोनी का निरीक्षण कर जर्जर एवम पुराने आवास को देखा गया था, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा वर्षों से निवास कर रहे हैं सफाई कामगारों के अत्यंत जीर्णशीर्ण हो चुके मकान के नव निर्माण की मांग की गई थी, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के द्वारा उक्त आवास के निर्माण कार्य हेतु तत्काल स्वीकृति दिलाई गई, व छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवम आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर से प्राप्त स्वीकृति अनुरूप वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 के मध्य 10 नग आवास लागत 60.25 लाख , एवं वार्ड क्रमांक 16 नयापारा में 12 नए आवास लागत 56.89 लाख से निर्माण किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है, कुल 117.4 लाख की लागत से उक्त निर्माण कार्य अति शीघ्र पूर्ण होंगे।

श्री जैन ने बताया कि नगर पालिका के सफाई विभाग में कार्यरत वर्षों से निवासरत कर्मचारियों के लिए उक्त आवास निर्माण किया जाना नितांत आवश्यक था।

न्यूज गैलरी

पीआईसी बैठक में होगी पुराने निर्णयों की समीक्षा

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद की आगामी पीआईसी (प्रेसिडेंट इन काउंसिल) बैठक में पूर्व में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने बताया कि बैठक में विभिन्न विषयों पर लिए गए निर्णयों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा यह देखा जाएगा कि कितने निर्णयों पर अमल हुआ है और कितने मामले अब भी लंबित हैं। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने विभागों से जुड़े निर्णयों की अद्यतन जानकारी एवं प्रगति प्रतिवेदन बैठक में प्रस्तुत करें। जिन मामलों में अब तक कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी है, उनके संबंध में विलंब के कारणों के साथ शीघ्र निराकरण की कार्ययोजना भी प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पीआईसी एवं परिषद के निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी लाना है। श्री साहू ने स्पष्ट किया कि परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों को समयबद्ध ढंग से लागू करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर पालिका प्रशासन की इस पहल से लंबित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा होने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आने की उम्मीद है।

सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजना लाई हैः गितेश्वरी

कुरुद/नवप्रदेश। मोर गांव-मोर पानी, मोर तरिया-आय के जरिया जैसे लुभावने नारे के साथ कुरुद जनपद के विभिन्न पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत तालाब निर्माण का काम कराया जा रहा है। जिसमें गाँव के मजदूरों को रोजगार मिल रहा है। कुरुद जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत इर्रा में नया तालाब बनाने मनरेगा के तहत 17 लाख 56 हजार रुपये मंजूर किया गया है। जिसके तहत यहाँ विगत दिनों से मजदूर नया तालाब बनाने के काम में जुटे हुए हैं। गाँव के लिए तैयार हो रही परिसंपत्ति निर्माण में पुरी इमानदारी से काम करने वाले लोगों का सम्मान करते पंचायत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष गितेश्वरी साहू ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजेश बर्मन, गोपाल, उषा, रामकुमार, शारदा, संतोषी, रामेश्वर, छबिलाल, अरुण, कल्याणी, हिमाचल, हेमकुमार गूरुदयाल, धनेश्वरी सहित 60 मजदूरों को प्लास्टीक का धमेला देकर पुरुस्कृत किया। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष श्रीमति साहू ने बताया कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजना लागू की है, जिसका उद्देश्य नारी शक्ति का आत्मनिर्भर बनाना है। गाँव में नया तालाब बनाकर महिला समूह को मछली पालन, मखाना और ढेंस की खेती करने आबंटित किया जाएगा। इसीलिए इसे मोर तरिया आए के जरिया कहा जा रहा है।

साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल है, प्रदेश के 151 रचनाकार सम्मानित

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। प्रदेश की अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा आज राजधानी के वृन्दावन सभागृह में काव्य महाकुंभ का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश भर से चयनित 151 रचनाकारों को शब्द शिखर सम्मान से विभूषित किया गया। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते द्वारा जानकारी दी गई है कि आज रायपुर, बस्तर, धमतरी, महासमुंद, जगदलपुर, राजनांदगांव, कोरबा, दुर्ग, बालोद ,रायगढ़, बिलासपुर, गरियाबंद, बलौदाबाजार, दल्ली राजहरा, बेमेतरा से उपस्थित 151रचनाकारों का काव्य पाठ एवं सम्मान हुआ। आयोजन के मुख्य अतिथि चिकित्सक व साहित्यकार डॉ गीतेश अमरोहित थे। अध्यक्षता डॉ संयुक्ता गांधी ने की। छ ग सन्निर्माण मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार धर द्विवेदी एवं पंडित पी के तिवारी, वरिष्ठ साहित्यकार सीमा पांडेय, लोकभवन में उपसचिव डॉ रूपेंद्र कवि तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अजीत मिश्रा विशिष्ट अतिथि की आसंदी को सुशोभित कर रहे थे। आयोजन के दौरान जांजगीर चांपा के लेखक उमेश कुमार श्रीवास की दो पुस्तकों पांच आगर एक कोरी तथा काव्य प्रत्यूषा एवं रायपुर के डॉ लुनेश कुमार वर्मा की पुस्तक माँ की रोटी का विमोचन हुआ। आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने कहा कि आज प्रदेश के गांव- गांव तक रचना कर्म जारी है। वक्ता मंच विगत 34 वर्षों से निरंतर कलमकारों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करते आ रहा है। आज के आयोजन में नवोदित व प्रतिष्ठित दोनों धाराओं के रचनाकारों का सम्मान हो रहा है। आज 151 चयनित साहित्यकारों को उनकी सृजनशीलता, रचनाधर्मिता, मूल्य चेतना एवं नैतिक मूल्यों हेतु सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथियों ने महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि साहित्य राजनीति के आगे चलनेवाली मशाल है। अत: साहित्यकारों को वर्तमान परिवेश की चुनौतियों का सामना करने रचनात्मक हस्तक्षेप करना होगा। साहित्यकार युग चेतना का वाहक होता है। साहित्य मानव जीवन की पीड़ाओं, संवेदनाओं और संघर्षों का जीवंत दस्तावेज होता है। यह जन मानस को संघर्षों की प्रेरणा व ऊर्जा प्रदान करता है।

5 जून से 21 जून तक जिलेभर में होंगे विविध कार्यक्रम, लाभार्थियों से होगा सीधा संवाद

मोदी सरकार के 12 साल पूरा होने पर भाजपा चलाएगी जनसंपर्क अभियान

गरियाबंद/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला गरियाबंद द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में जिला कार्यशाला मे प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी जिलाध्यक्ष भाजपा अनिल चंद्राकर राजिम विधायक रोहित साहू छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम अध्यक्ष चंदूलाल साहू पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय गोवर्धन सिंह मांझी डमरूधर पुजारी के उपस्थिति मे आयोजित की गई। बैठक में आगामी जनसंपर्क अभियान, संगठनात्मक गतिविधियों एवं विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अमित चिमनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों के साथ संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाएंगे। अभियान के अंतर्गत जनसंवाद, मीडिया संवाद, विकास कार्यों का अवलोकन, लाभार्थी संपर्क, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, योग कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशालाएं एवं विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास कर आमजन, प्रबुद्धजनों एवं लाभार्थियों से संपर्क करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाया जा रहा जनसंपर्क अभियान सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। साथ ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए आम नागरिकों की भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगा।

बैठक में जिला, मंडल एवं बूथ स्तर पर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई तथा सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

गरियाबंद बना केंद्र सरकार के FSAS पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा, अब मोबाइल एप से होगी उर्वरक बुकिंग और खरीदी

गरियाबंद/नवप्रदेश। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए गरियाबंद जिले को भारत सरकार की फर्टिलाइजर सेल एप्लीकेशन सिस्टम (स्नस्न्स्) के पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। इसके तहत किसान अब मोबाइल एप ÷फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल÷ के माध्यम से सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं से उर्वरकों की बुकिंग एवं खरीदी कर सकेंगे।

कृषि विभाग के अनुसार इस नई व्यवस्था से उर्वरक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है।

इसी क्रम में कार्यालय उप संचालक कृषि, जिला गरियाबंद में 30 मई 2026 को उर्वरक विक्रेताओं एवं किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड गरियाबंद एवं छुरा के किसान तथा निजी उर्वरक विक्रेता शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर एवं सहायक संचालक कृषि अनिल कौशिक ने किसानों और विक्रेताओं को मोबाइल एप के संचालन, उर्वरक बुकिंग प्रक्रिया तथा इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और किसान हितैषी बनाया जाएगा।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान, दक्षिण मुखी सुंदरकांड मंदिर समिति ने बढ़ाया हौसला

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। श्री दक्षिण मुखी सुंदरकांड मंदिर समिति, नवापारा द्वारा रविवार को नगर स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगर के 20 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

समारोह में कक्षा 12वीं के टॉपर देवकुमार दुबे (96 प्रतिशत), गरिमा सोनकर (95 प्रतिशत) एवं कुसुम टंडन (95 प्रतिशत) तथा कक्षा 10वीं की टॉपर लावण्या अग्रवाल (96.08 प्रतिशत), चंचल देवांगन (95.83 प्रतिशत) एवं अभिनव साहू (95 प्रतिशत) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नगर के विभिन्न विद्यालयों के अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. बलजीत सिंह, डॉ. राजेन्द्र गदिया, डॉ. तेजेन्द्र साहू, उमाशंकर देवांगन, बभ्रुवाहन देवांगन, ब्रह्मदत्त शर्मा, नंद कुमार कंसारी, दुष्यंत तारक एवं राकेश कुमार सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता का सबसे सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों की मेहनत और लगन अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने छात्रों से निरंतर अध्ययन कर अपने परिवार, नगर और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ पत्रकार रमेश पहाड़िया, श्याम किशोर शर्मा, मनीष जैन, विनोद जैन, विशेष हिरवानी, नागेन्द्र निषाद, तुकाराम कंसारी सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह का संचालन सरोज कंसारी ने किया। अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समिति प्रमुख द्रोण सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है। समिति भविष्य में भी शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखेगी।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर पूर्व सैनिकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

शहीद स्मारक परिसर की सफाई कर महानारी के आदर्शों को किया याद

महासमुंद/नवप्रदेश। भारत की महान शासिका एवं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर ग्राम खरोरा स्थित शहीद स्मारक परिसर में पूर्व सैनिक संगठन द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने स्मारक परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों और उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की उन महान विभूतियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रशासन, न्यायप्रियता और जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से समाज में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने वर्ष 1767 से 1795 तक लगभग तीन दशकों तक मालवा साम्राज्य का सफलतापूर्वक शासन किया और प्रजा के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

वक्ताओं ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर ने सनातन धर्म, संस्कृति और भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों से देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक मंदिरों, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराया गया। विशेष रूप से काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका ऐतिहासिक मानी जाती है।

पुलिस का 'नवा बिहान' अभियानः 800 से अधिक हुए जागरूक

साइबर अपराध और नशे के खिलाफ चलाया जनजागरण

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला पुलिस द्वारा संचालित नवा बिहान अभियान के तहत जिले भर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से पुलिस गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचकर नागरिकों को साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और गौ तस्करी रोकथाम के प्रति जागरूक कर रही है। इस सप्ताह आयोजित कार्यक्रमों में 800 से अधिक नागरिकों ने भाग लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

जिला पुलिस प्रशासन ने कम्युनिटी पुलिसिंग को नया आयाम देते हुए ÷नवा बिहान÷ अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत बनाना है। पुलिस टीम लगातार हाट-बाजारों, स्कूलों, कॉलेजों, बस स्टैंडों, बैंकों, चौक-चौराहों और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दे रही है।

विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए जागरूकता कार्यक्रम

नवा बिहान अभियान के तहत इस सप्ताह ग्राम भंवरपुर, पिथौरा बायपास रोड ओवरब्रिज, ग्राम सिरपुर, ग्राम बी.के. बाहरा साप्ताहिक बाजार तथा पिथौरा गार्डन क्षेत्र में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में ग्रामीणों और आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा, अभिव्यक्ति ऐप, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, नशा मुक्ति और यातायात सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

साइबर अपराधों से बचाव के दिए गए टिप्स

पुलिस अधिकारियों ने लोगों को साइबर स्टॉकिंग, फेक प्रोफाइल, फर्जी ट्रेडिंग एप, सेक्सटॉर्शन और डिजिटल अरेस्ट जैसे बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। लोगों को बताया गया कि सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत एवं संवेदनशील जानकारी साझा न करें तथा मोबाइल में मजबूत पासवर्ड और सुरक्षा फीचर का उपयोग करें। साथ ही अज्ञात नंबरों से प्राप्त एपीके फाइल, लिंक अथवा किसी भी संदिग्ध संदेश को खोलने से बचने की सलाह दी गई। ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने और निकटतम पुलिस थाना या साइबर थाना में सूचना देने की अपील की गई।

पेज 1 का शेष...

रायपुर में बनेगा अत्याधुनिक...

की मैन्युफैक्चरिंग, कटिंग-पॉलिशिंग, रिफाइनिंग, थोक व्यापार और अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सरकार की पहल से सराफा कारोबार को एक नई उड़ान मिलेगी।

सरकार विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार : छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने इस परियोजना की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल सहित सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

व्यापारियों के लिए बनेगा एकीकृत कॉम्प्लेक्स

परिसर में बहुमंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी बनाया जाएगा, जहां सराफा कारोबार से जुड़े व्यापारी, कारीगर और उद्यमी एक ही स्थान पर अपनी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगे। इससे कारोबार को अधिक संगठित और सुविधाजनक स्वरूप मिलेगा।

एसोसिएशन का मुख्यालय और आधुनिक सभागृह भी बनेगा

विशेषज्ञों का मानना है कि जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क शुरू होने के बाद छत्तीसगढ़ आभूषण निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकेगा। पार्क परिसर में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन का मुख्यालय स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही एक आधुनिक और विशाल सभागृह (ऑडिटोरियम) का निर्माण भी प्रस्तावित है, जहां व्यापारिक, सामाजिक और प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे।

भिलाई के 4 लोगों की ...

उसमें सवार किसी भी व्यक्ति को बचने का मौका नहीं मिला।

तेज आंधी-तूफान के दौरान...

को आवश्यक निर्देश जारी करते हुए मृतकों के परिजनों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार भूषण मंडावी, नायब तहसीलदार सुजीत पाटले एवं राजस्व विभाग की टीम ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी तथा आवश्यक सहायता का आश्वासन प्रदान किया। उनकी उपस्थिति में चिकित्सकीय टीम द्वारा आज मृतकों का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

इजराइल का लेबनान के...

रखी जा सकती है। इसलिए इसका सैन्य महत्व बहुत ज्यादा माना जाता है। इजराइल और लेबनान के बीच 17 अप्रैल को सीजफायर का ऐलान हुआ था। इसके बावजूद इजराइल ने हमले जारी रखे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इजराइल किसी संभावित अमेरिका-ईरान समझौते से पहले हिजबुल्लाह को अधिकतम नुकसान पहुंचाना चाहता है।

हमने भी भारतीय जमीन पर...

है। शाह ने कहा कि लिपुलेख विवाद ब्रिटिश भारत के समय से जुड़ा है। इसलिए नेपाल ने इस मामले पर सिर्फ भारत और चीन ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन से भी बातचीत की है।

राष्ट्रपति सचिवालय से आया...

को उनके कानूनी अधिकार अब तक नहीं मिल पाए हैं। महंत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लागू वन अधिकार अधिनियम के तहत वन क्षेत्रों के तालाब, नदी और नालों पर पहला अधिकार स्थानीय आदिवासियों और वनवासियों का है। मछली पालन का अधिकार भी उन्हीं को मिलना चाहिए। लेकिन छत्तीसगढ़ में बड़े जलाशयों को ठेके पर दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोग अपने ही क्षेत्रों में मजदूर बनकर रह गए हैं।

राष्ट्रपति से क्या मांग की?

डॉ. महंत ने राष्ट्रपति से मांग की है कि, वन अधिकार अधिनियम की धारा 3(1)(घ) को छत्तीसगढ़ में तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की गई है। महंत ने राष्ट्रपति सचिवालय से जवाब मिलने पर आभार जताते हुए कहा कि इससे उम्मीद है कि राज्य सरकार और प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा।

जनता के प्रति संवेदनशीलता...

ने बेमेतरा प्रवास के दौरान जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए प्रशासन को अधिक सक्रिय, परिणामोन्मुखी तथा संवेदनशील बनना होगा।

बैठक में बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव, कबीरधाम तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, कानून-व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की गई। प्रदेश के अन्य जिलों के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी ली गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तभी सार्थक होगा, जब आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए प्रत्येक शिकायत, आवेदन और जनसमस्या का गंभीरता से निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति संवेदनशीलता और जवाबदेही प्रशासनिक व्यवस्था की आत्मा है तथा जनसमस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

सुशासन तिहार, पेयजल और स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है तथा योजनाओं का लाभ तेजी से लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत और आवेदन का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और नागरिकों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के आगमन के साथ मौसमी बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा दलों और संसाधनों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करे, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

ईंधन, खरीफ तैयारी और किसानों के हितों पर विशेष फोकस : मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए डीजल और पेट्रोल के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में डीजल एवं पेट्रोल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा किसी प्रकार की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईंधन संकट संबंधी अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने खाद एवं बीज की उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएपी उर्वरक की सीमित उपलब्धता को देखते हुए उन्होंने एसएसपी, यूरिया, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के प्रति किसानों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया।

ड्रोन दीदी, आवास, स्वास्थ्य और ऊर्जा योजनाओं की समीक्षा

महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिक संख्या में 'ड्रोन दीदी' तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, जिससे कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, बिहान योजना तथा धान उठाव की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से अधिक से अधिक परिवारों को लाभान्वित कर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जाए।

न्यूज गैलरी

देसहा गड़रिया पाल समाज का विद्यार्थी व महिला सम्मेलन भव्य रूप में होगा आयोजित

धरसींवा / कूंरा। छत्तीसगढ़ देसहा गड़रिया पाल समाज का एक दिवसीय विद्यार्थी एवं महिला सम्मेलन का आयोजन रविवार को रखा गया है। यह कार्यक्रम महादेवघाट रायपुरा स्थित पाल सामाजिक भवन परिसर में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे करेंगी। इसके अलावा अन्य अतिथि गण भी मंच पर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत विविध आयोजन सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में भव्य कलश शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। उसके बाद पुरस्कार वितरण होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एकल व सामूहिक विधा में सभी छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कविता पाठ, नृत्य, प्रहसन, नाट्य प्रस्तुति, लोकगीत, सुवा नृत्य व हिन्दी गानों को मान्य किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी पार प्रमुखों को विद्यार्थी सम्मेलन में उपस्थित विद्यार्थियों की कक्षावार सूची जमा करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा सभी पार प्रमुखों को कार्यक्रम में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं व समाजजन को भाग लेने उपस्थित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही सभी पार प्रमुखों को अपने-अपने पार में बैठक कर उक्त कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए निर्देश दिया गया था।

बसंतपुर पुलिस ने लौटाई 18 परिवारों की खुशियां, 3 लाख के 18 गुम मोबाइल बरामद

राजनांदगांव /नव प्रदेश। थाना बसंतपुर पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर 18 परिवारों के चेहरे पर फिर मुस्कान लौटा दी। पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की सहायता से लगभग 3 लाख रुपये मूल्य के 18 गुम मोबाइल फोन खोजकर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में गुम मोबाइलों की पतासाजी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बसंतपुर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली।रविवार को थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बरामद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर आवेदकों ने पुलिस का आभार जताया। कई लोगों ने बताया कि उनके मोबाइल में महत्वपूर्ण दस्तावेज, संपर्क नंबर, निजी जानकारी और परिवार की यादगार तस्वीरें सुरक्षित थीं, जिन्हें वापस मिलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी थी।पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए मोबाइल स्वामियों ने राजनांदगांव पुलिस एवं बसंतपुर पुलिस को धन्यवाद दिया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को कोई गुम मोबाइल मिले तो उसका उपयोग न करें और उसे निकटतम थाना में जमा कराएं, ताकि वह उसके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाया जा सके। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू, सीसीटीएनएस आरक्षक श्रवण पैकरा, आरक्षक फागूराम साहू, ललित रावटे, भुनेश्वर जायसी, चन्द्रशेखर श्रीवास, कुश बघेल सहित थाना बसंतपुर के अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि गुम मोबाइलों की बरामदगी का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।,,

न्यू सर्किट हाउस में भीषण आग लाखों के नुकसान की आशंका

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद के न्यू सर्किट हाउस में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग स्टोर रूम से शुरू होकर किचन तक फैल गई आग की चपेट में आने से फ्रिज, अलमारी, सीलिंग फैन सहित बड़ी मात्रा में रखा सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है तथा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

शिक्षा का मंदिर बना भ्रष्टाचार का अड्डा

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। डॉ. खूबचंद बघेल के नाम पर स्थापित डॉ. खूबचंद बघेल हाई स्कूल, जिसे क्षेत्र में शिक्षा के मंदिर के रूप में जाना जाता है, आज कथित भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा में है। स्कूल में लंबे समय से छात्रों को धूप में खड़े होने की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इस मांग को कई वर्षों तक नजरअंदाज किया गया, लेकिन क्षेत्र की सक्रिय जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद्रवंशी ने छात्रों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए 10 लाख टिन शेड निर्माण की स्वीकृति दिलवाई हालांकि, सरोज चंद्रवंशी का आरोप है कि कुछ लोग शिक्षा के इस मंदिर को भी भ्रष्टाचार से नहीं बचा पा रहे हैं। उनका कहना है कि शेड का निर्माण बेहद घटिया गुणवत्ता से किया जा रहा है, जिससे यह अधिक समय तक टिक नहीं पाएगा। वहीं सिलयारी के वार्ड पंच दिलेंद्र यदु ने बताया कि कुछ समय पहले भी सिलयारी शिक्षा समिति द्वारा टिन शेड का निर्माण कराया गया था, जो कुछ ही वर्षों में क्षतिग्रस्त होकर उड़ गया। उनका आरोप है कि स्कूल से जुड़े कुछ जनप्रतिनिधियों की वजह से यहां होने वाले कई निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है।

ज्ञात हो कि जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद्रवंशीवार्ड पंच दिलेंद्र यदु और दिनेश अग्रवाल के प्रयासों से स्कूल में छात्रों के लिए दो वाटर कूलर भी उपलब्ध कराए गए हैं। एक ओर जहां जागरूक जनप्रतिनिधि स्कूल और छात्रों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग स्कूल परिसर में भी कथित भ्रष्टाचार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसके अलावा छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नितिन गौरीशंकर अग्रवाल द्वारा मेधावी छात्रों को 1100 प्रति छात्र सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया था।

अपराध: शव बोरी में भरकर खेत में फेंका, तीन गिरफ्तार

ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला ने पति के साथ मिलकर की युवक की हत्या

कवर्धा / नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के थाना बोडला अंतर्गत चौकी पौड़ी क्षेत्र के ग्राम बैहरसरी निवासी युवक कोमल वर्मा की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक का शव थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोंढा में बोरी के भीतर क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद हुआ था, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना बोडला एवं चौकी पौड़ी पुलिस ने मामले की गहन जांच

कर हत्या की गुत्थी सुलझाई।

जानकारी के अनुसार ग्राम बैहरसरी निवासी कोमल वर्मा 28 मई 2026 को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा अगले दिन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक की अंतिम लोकेशन और कॉल डिटेल का विश्लेषण किया गया, जिसमें उसका संपर्क मंदाकिनी वर्मा से होना पाया गया।

पूछताछ में आरोपी महिला मंदाकिनी वर्मा ने पुलिस को बताया कि मृतक उसके अश्लील वीडियो के आधार पर लंबे समय से उसे ब्लैकमेल कर रहा था। वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार जबरन शारीरिक संबंध भी बनाता था। घटना की रात भी मृतक ने महिला पर संबंध बनाने का दबाव बनाया, जिससे परेशान होकर उसने उसे अपने घर बुलाया।

घर पहुंचने पर घर निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले सरिया मोड़ने के बड़े पाना से मृतक पर हमला किया गया। शोर सुनकर महिला का पति रामस्नेही वर्मा जाग गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों ने मिलकर कोमल वर्मा की हत्या कर दी।

शव को बोरी में भरकर ठिकाने लगाया

हत्या के बाद आरोपियों ने शव को घर में छिपाकर रखा। अगले दिन रामस्नेही वर्मा ने अपने भाई रूपेश वर्मा की मदद से शव को बोरी में भरकर ट्रैक्टर के जरिए थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोंढा ले जाकर फेंक दिया, ताकि साक्ष्य छिपाए जा सकें।

तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में निम्न आरोपियों को गिरफ्तार किया है–

रामस्नेही वर्मा, निवासी ग्राम बैहरसरी, चौकी पौड़ी, थाना बोडला

मंदाकिनी वर्मा, निवासी ग्राम बैहरसरी, चौकी पौड़ी, थाना बोडला

रूपेश वर्मा, निवासी ग्राम बैहरसरी, चौकी पौड़ी, थाना बोडला

इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 62/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 238(3) एवं 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

कबीरधाम पुलिस ने कहा है कि जिले में गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी तथा अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

संगठन ने जताया भरोसा, लीलाराम निषाद को मिली जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी

नवापारा राजिम / नव प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के मछुवारा प्रकोष्ठ में संगठनात्मक विस्तार करते हुए लीलाराम निषाद को जिला मीडिया प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों में उत्साह का माहौल है।लीलाराम निषाद लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। वे सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनकी सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण तथा जनसंपर्क क्षमता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा है।नियुक्ति के बाद लीलाराम निषाद ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी दी है।

राजनांदगांव की बेटी के साथ हुआ अन्याय

भाजपा सरकार के प्रशासनिक पतन का शर्मनाक उदाहरणः अभिमन्यु

राजनांदगांव / नव प्रदेश। राजनांदगांव जिले के सोमनी क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुई घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। मीडिया में प्रकाशित तथ्यों के अनुसार एक बीमार नाबालिग बच्ची को कथित रूप से गर्भवती घोषित कर दिया गया, जिसके बाद पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली ने उस बच्ची और उसके परिवार को ऐसी मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक प्रताड़ना दी जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकती।

यह केवल एक प्रशासनिक गलती नहीं है, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था, लापरवाह स्वास्थ्य तंत्र और बेलगाम प्रशासन का भयावह चेहरा है। जिस उम्र में एक बच्ची

को सुरक्षा, संवेदना और संरक्षण मिलना चाहिए, उस उम्र में उसे संदेह, पूछताछ और अपमान का सामना करना पड़ा। यदि प्रकाशित खबरों के अनुसार रातभर उसे थाने में बैठाकर पूछताछ की गई, उसके परिवार पर दबाव बनाया गया और पूरे गांव में तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दिया गया, तो यह सीधे-सीधे मानवाधिकारों और बाल अधिकारों का उल्लंघन है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक गलत मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर किसी नाबालिग बच्ची और उसके परिवार को इस हद तक प्रताड़ित करने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया? क्या भाजपा सरकार के राज में किसी नागरिक की गरिमा और सम्मान का कोई मूल्य नहीं रह गया है?

अब जब यह बात सामने आ रही है कि गर्भावस्था संबंधी रिपोर्ट गलत थी और स्वास्थ्य केंद्र में उपयोग किए जा रहे मेडिकल किट की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, तब यह मामला और अधिक गंभीर हो जाता है। यदि जांच में यह साबित होता है कि खराब गुणवत्ता वाले या मानकविहीन मेडिकल किटों के कारण गलत रिपोर्ट बनी, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि एक आपराधिक लापरवाही है।

बेमेतरा पुलिस की कार्रवाई: सीईआईआर पोर्टल से 110 गुम मोबाइल बरामद

16 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति लौटाई

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा जिले में गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी को लेकर बेमेतरा पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष अभियान आम नागरिकों के लिए राहत और विश्वास का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 25 मई को पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य के निर्देशन एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के नेतृत्व में CEIR पोर्टल (Central Equipment Identity Register) के माध्यम से चलाए गए अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी

क्षेत्रों से 110 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए।

इस अभियान के अंतर्गत बरामद किए गए 110 मोबाइल फोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 16,50,000/- रुपये (16 लाख 50 हजार रुपये) आंकी गई है। लंबे समय से अपने मोबाइल गुम हो जाने से निराश नागरिकों के चेहरों पर मोबाइल वापस पाकर खुशी और संतोष साफ झलकता दिखाई दिया। मोबाइल वितरण कार्यक्रम के दौरान कई प्रार्थियों ने बेमेतरा पुलिस के इस प्रयास की खुले दिल से सराहना की।

धैचा अपना कर किसान बचा सकते हैं 3 बोरी तक यूरिया, मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ेगी

कृषि विभाग दे रहा 50 प्रतिशत अनुदान, हरी खाद से प्रति हेक्टेयर 60 किलो तक नाइट्रोजन उपलब्ध

राजनांदगांव / नव प्रदेश। कृषि विभाग किसानों को हरी खाद के रूप में धैचा (सेसबेनिया) के उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धैचा एक दलहनी फसल है, जो वायुमंडलीय नाइट्रोजन को भूमि में स्थिर कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है

तथा रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया पर निर्भरता कम करती है।

विशेषज्ञों ने बताया कि मानसून की शुरुआत में धैचा की बुवाई 25 से 30 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से की जाती है। बुवाई के 35 से 40 दिन बाद, जब पौधे 1 से 1.5 मीटर ऊंचे हो जाएं और फूल आने की प्रारंभिक अवस्था में हों, तब उन्हें खेत में मिलाया जाता है। इसके 15 से 20 दिनों बाद धैचा पूरी तरह सड़-गलकर मिट्टी में मिल जाता है और उसके पोषक तत्व फसलों को उपलब्ध होने लगते हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक धैचा के उपयोग से प्रति हेक्टेयर 40 से 60 किलोग्राम नाइट्रोजन प्राप्त होती है। इतनी नाइट्रोजन के लिए सामान्यतः 90 से 130 किलोग्राम यूरिया की आवश्यकता पड़ती है। इस प्रकार किसान प्रति हेक्टेयर लगभग 2 से 3 बोरी यूरिया की बचत कर सकते हैं।

धैचा के विघटन से मिट्टी में जैविक कार्बन, नाइट्रोजन एवं अन्य पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है। इससे भूमि की संरचना, जलधारण क्षमता और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता में सुधार होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव आगामी फसलों के उत्पादन पर पड़ता है। वहीं रासायनिक यूरिया का अत्यधिक उपयोग लंबे समय में मिट्टी की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

कृषि विभाग ने बताया कि इच्छुक किसान बीज प्रक्रिया केंद्र, बीज निगम कार्यालय कौरिनभाठा राजनांदगांव से धैचा का बीज प्राप्त कर सकते हैं। हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान भी दिया जा रहा है।

विभाग ने जिले के धान-गेहूं, धान-चना, धान-सब्जी एवं सोयाबीन आधारित फसल चक्र में धैचा को अपनाने की सलाह दी है। किसानों से अपील की गई है कि वे संतुलित पोषण प्रबंधन के तहत हरी खाद का अधिकाधिक उपयोग करें, जिससे खेती की लागत कम हो और कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके।

बच्चे और युवाओं ने लिए पारंपरिक खेलों का मजा

राजनांदगांव /नव प्रदेश। हर रविवार को मस्ती की पाठशाला में भीड़ बढती जा रही है। अल सुबह से बच्चे अपने परिवार के साथ पहुँचकर पारंपरिक खेलो का मजा ले रहे है। सर्किट हाउस के सामने तथा चोपाटी एवं उसके सामने भीड का नजारा देखने को मिलता है। बच्चे एवं युवा सभी खेलों का आनंद लेकर अपनी प्रतिभा दिखतो है। उपस्थितजनों में जहॉ महिलाओं ने कहा कि आज हमारे पारंपरिक खेल बाटी, भौरा, गिल्ली डंडा, बिल्लस जो लुप्त होते जा रहे है, वो मस्ती की पाठशाला में देखने को मिलती है।

उन्होंने कहा कि यहा आने से हमारी बचपन की यादे ताजा हो जाती है। वही पुरूषो ने कहा कि जो बच्चे छुटटी के दिन देर तक सोये रहते थे वे बच्चे सुबह 5 बजे से उठकर पाठशाला में आ जाते है। उन्होंने कहा कि आज मोबाईल के कारण लोग परिवार और समाज से दुर होते जा रहे है, यहा आकर बच्चो को एक दुसरे के साथ मिलकर खेलते देख ऐसे लगता है कि हमारा बचपन वापस आ गया। सभी ने मस्ती की पाठशाला आयोजन के लिए महापौर सहित निगम प्रशासन का धन्यवाद दिया। मस्ती की पाठशाला में हर सप्ताह नया देखने को मिलता है, इस रविवार का आकर्षण, बोरा दौड़, बाटी-चम्मच दौड़, आलू दौड़, रस्सा कसी प्रमुख रूप से था। इसके अलावा मटकी फोड, मोमबत्ती जलाव, बिल्लस, बाटी, भौरा, पिट्ठुल तथा रस्सी कुद, बेडमिंटन, तीरंजदाजी, जम्प, कराटे आदि पारंपरिक खेल का बच्चे एवं युवाओ ने बहुत आनंद उठाया।

उक्त खेलो में पुरूस्कार भी दिया गया। छोटे बच्चे अपने भाई बहन व दोस्तो के साथ झुला झुल फिसल पट्टी में फिसल कर मजा लेने के साथ साथ छोटे छोटे खेल में रिंग डालना, निशाना लगाना, उची कुद में भाग लिए।

दीपक वैष्णव को अभापं परिषद में बड़ी जवाबदारी

छुईखदान / नव प्रदेश। देश के 24 राज्यो सहित छ,ग, मे भी अखिल भारतीय पंचायत परिषद-छत्तीसगढ के तत्वावधान मे राज्य के उन चुनिंदा पंचायत प्रतिनिधियों का समागम हुआ जिनके नेतृत्व मे राज्य की ग्राम पंचायते त्रिस्तरीय पंचायतीराज की कल्पना के अनुरूप कुछ उल्लेखनीय कर चुके है अथवा कर सकते है,जिसमे राज्य के लगभग समस्त जिलों के सक्रिय पंचायत प्रतिनिधिगण हजारो की तादाद मे उपस्थित हुए।

अ,भा,पंचायत परिषद राष्ट्रीय महासभा सदस्य घनश्याम प्रसाद जी यादव,व छग प्रभारी

संयोजक लीलूराम जी केवट के नेतृत्व व मार्गदर्शन मे आयोजित बैठक सह मार्गदर्शन कार्यक्रम मे प्रदेश भर से आए पंचायत प्रतिनिधियो को जहां संविधान मे उल्लेखित त्रिस्तरीय पंचायत की कल्पना,संविधान मे प्रावधान,संग प्रतिनिधियो के दायित्व व भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन करते हुए राज्य के हर पंचायत को इस धारा से जोड़ने,परिषद के पंजीयन,और आगामी समय मे पदाधिकारियो के शपथ ग्रहण पर भी संभावित प्रकाश डाला गया। चूकि उक्त आयोजन छग मे आयोजित था चुनांचे कार्यक्रम की शुरूआत राजगीत से करने के पश्चात ही शेष कार्यक्रम गतिमान हुए,जिसमे स्वागत अभिनंदन का सौभाग्य केसीजी जिले के किरण वैष्णव को दिया गया,तदुपरांत राज्य के अलग अलग क्षेत्र से पहुचे प्रतिनिधियो के द्वारा स्वागत की औपचारिकता पूर्ण की गई।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे परिचय,प्रतिनिधियो के कर्तव्य, कार्यशैली,और पंचायतीराज के अपेक्षित सराहनीय कार्यो पर भी प्रकाश डाला गया जिसके उपरांत उपस्थित अभाव पंचायत परिषद के प्रतिनिधियो को दायित्व सौपा गया जिसमे जिले के दीपक वैष्णव, ग्राम पिरचा जिला के सी जी (छ ग) को जिला महासचिव महत्वपूर्ण दायित्व सौपा गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक आदर्श विवाह
में क्षेत्र के लाडले विधायक माननीय
दीपेश साहू जी
ने सादगी पूर्ण तरीके से विवाह बंधन में बंधे...।
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित कई मत्रियों ने
विधायक दीपेश साहू को बधाई दी है।
विधायक दीपेश साहू
को मंगल परिणय सूत्र में बंधने पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं...

कच्चे तेल में तेजी और वैश्विक अस्थिरता से सोना और चांदी फिसले

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर ताजा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ना और कच्चे तेल में फिर से तेजी आना है।

दोपहर 12 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर में सोने का दाम 1.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,379 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि कॉमेक्स पर जून फ्यूचर्स के सोने का कॉन्ट्रैक्ट 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,376 डॉलर पर था।

सोने की अपेक्षा चांदी में अधिक गिरावट देखी गई। हाजिर में चांदी का दाम 2.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.92 डॉलर प्रति औंस पर था। कॉमेक्स पर चांदी का जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.93 डॉलर प्रति औंस पर था। भारतीय बाजार बकरीद ईद की छुट्टी के चलते बंद है। कमोडिटी बाजार के जानकारों ने कहा

कि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रहने से सोने पर दबाव बना रहा।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और दोनों देशों के बीच प्रमुख विवाद के मुद्दों में ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण बनाए रखने और अपने परमाणु कार्यक्रम को संरक्षित करने की मांग शामिल है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन ईरान की इन दोनों मांगों को नहीं मानेगा।

जानकारों का मुताबिक, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता, तेल की ऊंची कीमतें और डॉलर की मजबूती के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की उम्मीदों का असर सोने की कीमतों पर पड़ रहा है, और वर्तमान में सोना संघर्ष शुरू होने के समय के स्तर से 15 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहा है। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा कथित तौर पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई के जवाब में एक अमेरिकी हवाई अड्डे को निशाना बनाने के दावे के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे आपूर्ति में व्यवधान और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं और बढ़ गईं।

न्यूज गैलरी

मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये किलोग्राम बढ़ीं, पीएनजी 50 पैसे महंगी हुई

मुंबई। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। शनिवार को महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की। जिससे रिटेल रेट बढ़कर 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई कीमतें मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और कंपनी की ओर से सेवा दिए जाने वाले अन्य इलाकों में लागू होंगी। सीएनजी की कीमतों में यह इस महीने की दूसरी बढ़ोतरी है; इससे पहले एमजीएल ने 14 मई को कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाई थीं। बता दें कि कंपनी ने एमएमआर में पाइप वाली कुकिंग गैस (पीएनजी) की दरें भी 50 पैसे प्रति यूनिट बढ़ा दी हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर लगातार दबाव और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। हाल के हफ्तों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ोतरी की गई है, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का असर ग्राहकों पर डाल दिया है। मुंबई में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.83 रुपये प्रति लीटर रही। इस बीच, केंद्र सरकार ने सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के भंडार को मजबूत करने का निर्देश दिया है। तेल विपणन कंपनियों से आग्रह किया गया है कि वे घरेलू मांग के कम से कम 30 दिनों के बराबर एलपीजी का स्टॉक बनाए रखें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया कि सरकार के निर्देश पर, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वर्तमान में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन 550 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा रही हैं। इसकी वजह यह है कि उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उन पर नहीं डाला है। मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है लेकिन घबराहट में की गई खरीदारी के कारण कुछ जगहों पर कमी की समस्या सामने आई है।

मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला

मुंबई। मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के सत्र में हरे निशान में खुला। सुबह 9ः24 पर सेंसेक्स 213 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,080 और निफ्टी 44 अंक या 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,951 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी कमोडिटी हरे निशान में थे। निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लाल निशान में था। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 18 अंक की मामूली मजबूती के साथ 62,578 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 18,345 पर था। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, ट्रेंट, एचसीएल टेक, टीसीएस, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, एचयूएल और टाइटन गेनर्स थे। भारती एयरटेल, आईटीसी, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व लूजर्स थे। ज्यादातर एशियाई बाजारों में तेजी देखी जा रही है। टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। हालांकि, शंघाई लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में बंद हुए थे। डाओ जोन्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ और नैस्डैक 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। भारत के साथ वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह अमेरिका-ईरान में शांति के लिए बातचीत आगे बढ़ना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका-ईरान 60 दिन के सीजफायर के एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर सहमत हो गए हैं।

भारत को जल्द मिल सकता है पहला प्लास्टिक नोट

आरबीआई की दो हाई-लेवल बैठकों में हुआ बड़ा फैसला

मुंबई। भारत की करेंसी (मुद्रा) के इतिहास में जल्द ही एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक बार फिर अपने सालों पुराने विचार पर गंभीरता से आगे बढ़ने जा रहा है, जिसके तहत देश में जल्द ही पहला प्लास्टिक (पॉलीमर) नोट पेश किया जा सकता है। मौजूदा समय में आरबीआई की तरफ से केवल खास तरह के कागज (कॉटन रैग) से बने नोट ही प्रिंट किए जाते हैं, लेकिन अब इस पारंपरिक व्यवस्था को बदलने की तैयारी अंतिम चरण में है।बिजनेस स्टैंडर्ड की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पिछली दो केंद्रीय बोर्ड मीटिंग्स के दौरान देश में प्लास्टिक नोट्स लाने को लेकर बेहद गंभीर और विस्तृत चर्चा हुई है। बता दें कि केंद्रीय बैंक की ये दोनों हाई-लेवल बैठकें क्रमशः पटना और मुंबई में आयोजित की गई थीं।

रिपोर्ट की मानें तो आरबीआई बहुत जल्द देश के कुछ चुनिंदा हिस्सों में प्लास्टिक बैंक नोट्स को लॉन्च करने के लिए एक 'पायलट प्रोजेक्ट' का आधिकारिक ऐलान कर सकता है।यह पहली बार नहीं है जब देश में प्लास्टिक नोट लाने की कवायद की जा रही है। इससे पहले साल 2012 में तत्कालीन केंद्र सरकार ने देश के 5 अलग-अलग भौगोलिक और जलवायु वाले शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 10 रुपये के प्लास्टिक नोट जारी करने की पूरी तैयारी कर ली थी। हालांकि, उस समय कुछ गंभीर तकनीकी चुनौतियों और छपाई से जुड़ी अड़चनों के कारण इस पूरी कोशिश को बीच में ही रोकना पड़ा था। लेकिन अब अत्याधुनिक तकनीक के साथ आरबीआई इस पर दोबारा काम कर रहा है। कम लागत और लंबी शेल्फ लाइफ- कागज से बने नोटों की शेल्फ लाइफ (जीवनकाल) बेहद कम होती है। वे पानी में भीगने, फटने या लगातार इस्तेमाल से जल्दी खराब हो जाते हैं। इसके विपरीत, प्लास्टिक के नोट पानी और मिट्टी से खराब नहीं होते, इन्हें फाड़ना बेहद मुश्किल होता है और ये कागज के मुकाबले करीब 4 से 5 गुना अधिक समय तक चलते हैं। हालांकि इनकी छपाई की शुरुआती लागत थोड़ी ज्यादा होती है, लेकिन लंबे समय में यह बेहद किफायती साबित होते हैं। करोड़ों खराब नोटों को नष्ट करने का भारी बोझ- मौजूदा समय में खराब हो चुके कागजी नोटों को नष्ट करना केंद्रीय बैंक के लिए एक बड़ा सिरदर्द बना हुआ है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अकेले वित्त वर्ष 2025 में आरबीआई को कुल 23.80 बिलियन (2,380 करोड़) खराब हो चुके नोटों को नष्ट करना पड़ा था, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष (21.24 बिलियन नोट) के मुकाबले सालाना आधार पर 12.3 प्रतिशत अधिक है।

6 दिन में 35 प्रतिशत का बंपर रिटर्न

अडानी ग्रुप के इस शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

मुंबई। शेयर बाजार में इन दिनों अडानी ग्रुप की एक कंपनी अपने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर रही है। हम बात कर रहे हैं अडानी टोटल गैस (ख्र्त्रड्डठ्ठद्ब ञ्शह्लड्डद्य लड्डद्य) की, जिसके शेयरों में पिछले कुछ दिनों से लगातार रॉकेट जैसी तेजी बनी हुई है। बुधवार को लगातार पांचवें कारोबारी दिन इस शेयर ने जबरदस्त उड़ान भरते हुए अपना एक साल का नया रिकॉर्ड हाई छू लिया। सिर्फ 6 दिन के भीतर इस शेयर ने निवेशकों को करीब 35 फीसदी का बंपर रिटर्न दे दिया है। बाजार के ताजा आंकड़ों को देखें तो पिछले तीन महीने में यह शेयर लगभग 83त्न तक चढ़ चुका है। आज भी बाजार में यह शेयर करीब 3त्न की बढ़त के साथ ?832.40 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इससे पहले बीते बुधवार, 27 मई को अकेले एक ही दिन में इसमें 16 फीसदी से ज्यादा का विशाल उछाल आया था। अब आम निवेशकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस तेजी का फायदा उठाकर प्रॉफिट बुकिंग (मुनाफावसूली) कर लेनी चाहिए या फिर आगे और बड़ी कमाई के लिए रुकना चाहिए? ग्लोबल एनर्जी क्राइसिस का फायदा- पहला कारण ग्लोबल मार्केट के हालातों से जुड़ा है। दुनियाभर में ऊर्जा की लागत लगातार बढ़ रही है। मिडिल ईस्ट में जारी जियोपॉलिटिकल तनाव के कारण पिछले दो हफ्ते में ही सीएनजी (ष्टहृत्र) की कीमतों में चार बार इजाफा हो चुका है। इसका सीधा फायदा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (ष्टत्रष्ठ) का काम करने वाली अडानी टोटल गैस जैसी कंपनियों को मिलने की उम्मीद है, जिससे आने वाले समय में उनका नेट प्रॉफिट काफी सुधर सकता है। दमदार तिमाही नतीजे- इसके अलावा, कंपनी के मार्च तिमाही के बेहद शानदार नतीजों ने भी आग में घी का काम किया है, जिससे बड़े संस्थागत निवेशकों ने इस शेयर पर अपना भरोसा और बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में जब भी कोई स्टॉक इतनी आक्रामक रफ्तार से भागता है, तो निवेशकों की नजर उसके अगले टारगेट पर टिक जाती है। बुधवार को बीएसई पर यह शेयर 13.35 फीसदी की शानदार बढ़त के साथ ?808.10 के लेवल पर बंद हुआ था। वहीं, इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान यह 16.33 फीसदी उछलकर ?829.35 के एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

एफसी बार्सिलोना में हुई इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन की एंट्री

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने न्यूकैसल यूनाइटेड से इंग्लैंड के इंटरनेशनल विंगर एंथनी गॉर्डन को साइन करने की पुष्टि की है। वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले सिर्फ तीसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं।

25 साल के खिलाड़ी ने बार्सिलोना पहुंचने और अपना चिकित्सा परीक्षण पास करने के बाद लगभग 70 मिलियन यूरो के छह साल के कॉन्ट्रैक्ट के साथ-साथ 10 मिलियन यूरो के इंसेंटिव के लिए सहमति दी है। रिपोर्ट के

अनुसार, कानूनी कागजी कार्रवाई में देरी की वजह से यह साइनिंग उम्मीद से सात घंटे बाद हुई।

गॉर्डन ने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही बार्का के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। मैं स्पैनिश बोलना चाहता था क्योंकि बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए फुटबॉल खेलूंगा। न्यूकैसल में मेरे एक फिजियो हैं, और हम हर दिन बात करते थे। मैंने उनसे कहा था कि मैं एक दिन बार्सिलोना के लिए खेलूंगा, इसलिए मैं स्पेनिश सीखना चाहता हूं। मुझे बहुत देर से पता चला (बार्सिलोना की दिलचस्पी के बारे में), लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि बार्सिलोना एक सीरियस विकल्प है, कोई सवाल ही नहीं था। गॉर्डन ने आगे कहा कि बार्सिलोना दुनिया का सबसे बड़ा क्लब है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम का ऐलान

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए 26 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। लियोनेल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील ने 1962 में आखिरी बार अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद से कोई भी टीम

लगातार दो बार विश्व कप की ट्रॉफी को अपने नाम नहीं कर सकी है। मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना टीम का अटैक काफी मजबूत नजर आ रहा है। मेसी का साथ इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज और एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज देते हुए नजर आएंगे। कोच स्कालोनी ने इस बार कुछ नए खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताया है, जो कतर वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा नहीं थे। इनमें वैलेंटिन बार्को शामिल हैं, जिन्होंने यूरोप में बेहतरीन सीजन खेला। इसके अलावा जोस मैनुअल लोपेज को भी मौका मिला है।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता : सैफ अली खान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।

इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।

सीडैक CDAC ॲक्टस acts
प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक वैज्ञानिक संस्था)

अगस्त 2026 बैच आयसीटी डोमन के लिए
स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों
के लिए प्रवेश की घोषणा

सी-डैक इंजीनियरिंग में स्नातक या एम.सी.ए और विज्ञान में स्नातकोत्तर (चयनित विषयों) के लिए निम्नलिखित कैरियर उन्मुख पूर्णकालिक 24 सप्ताह 900 घंटे के 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा करता है। सामान्य पात्रता और पाठ्यक्रम के अनुसार पात्रता के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.cdac.in; acts.cdac.in देखें।

सी-डैक के PGCP पाठ्यक्रम NCVET द्वारा अनुमोदित हैं, जिनमें 1200 शिक्षण घंटे तथा लेवल 6 के अनुरूप 40 क्रेडिट शामिल हैं।

आयसीटी मे
स्नातकोत्तर (पीजी) प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
उन्नत कंप्यूटिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-AC)
बिग डेटा विश्लेषिकी में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-BDA)
एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ESD)
आईटी अवसंरचना, सिस्टम एवं सुरक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ITISS)
आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-AI)
वीएलएसआई डिज़ाइन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-VLSI)
मोबाइल कंप्यूटिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-MC)
उन्नत सुरक्षित सॉफ्टवेयर विकास में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ASSD)
रोबोटिक्स और संबद्ध प्रौद्योगिकियों में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-RAT)
एचपीसी सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-HPCSA)
फिनटेक और ब्लॉकचैन विकास में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-FBD)
साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-CSF)

नेशनल कॉमन कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम (एनसीसीपीपी) का आयोजन बेंगलुरु, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा, और पुणे में किया गया।

पाठ्यक्रम की मुख्य बातें
- उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ अच्छी तरह से स्थापित पाठ्यक्रम।
- 24 सप्ताह के पूर्णकालिक कोर्सेस, जिनमें 900 घंटे की थ्योरी + लैब + प्रोजेक्ट तथा 300 घंटे की स्वयं अध्ययन शामिल।
- अधिकांश केंद्रों में प्रति दिन 6-8 घंटे की थ्योरी और लैब सेशन, सप्ताह में 6 दिन।
- कोर्स के दौरान लगातार लैब और आंतरिक मूल्यांकन।
- सभी केंद्रों पर केंद्रीकृत परीक्षाएं।
- C-DAC, शैक्षणिक संस्थानों और ICT उद्योग के डोमेन विशेषज्ञों की सलाह से कोर्सेस डिज़ाइन और विकसित।
- C-DAC और ICT उद्योग के अनुभवी फैकल्टी, व्यापक डोमेन नॉलेज के साथ।
- ICT उद्योग मानकों के अनुरूप ट्यूटोरियल्स, हैंड्स-ऑन और प्रोजेक्ट्स।
- एटीट्यूड, प्रभावी संचार और इंटरव्यू स्किल्स पर विशेष प्रशिक्षण।
- व्यापक प्लेसमेंट ओरिएंटेशन और क्षेत्रवार कॉमन कैंपस प्लेसमेंट्स की सुविधा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि
जून 23, 2026
सी-डैक कॉमन एडमिशन टेस्ट
सी-कॅट I : जुलाई 04, 2026
सी-कॅट II : जुलाई 05, 2026
पाठ्यक्रम प्रारंभ तिथि
अगस्त 24, 2026

CBC 06132/12/0005/2627

पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले केंद्र: • बेंगलुरु (बंगलूर) • चेन्नई • गुवाहाटी • हैदराबाद • इन्दौर • कराड • कोच्चि • कोलकाता • मुंबई • मोहाली • नागपूर • नाशिक • नई दिल्ली • नोएडा • पटना • पुणे • तिरुवनंतपुरम

पाठ्यक्रम, पाठ्य विवरण, सी-कैट, पात्रता, पंजीकरण और आवेदन, प्रवेश और शिक्षा प्रदान विधि पर अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.cdac.in/acts.cdac.in पर जाएं।

9373731598/ +91 20 25503134 | www.facebook.com/OfficiallyACTS | www.cdac.in; acts.cdac.in

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें कई अनदेखे नायकों को सम्मान दिया गया है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल द अनसीन हीरोज रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा-तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, भारत भाग्य विधाता उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।

कंगना ने आगे कहा, इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है। फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक-दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद-ब-खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। भारत भाग्य विधाता उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं। फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा, आज के दौर में फिल्मों में गोलीबारी, धमाके और हिंसा दिखाना आसान है।

पीएम मोदी की अपील 'सार्वजनिक परिवहन बढ़ाओ', लेकिन छत्तीसगढ़ में सिटी बसें ही गायब, जनता परेशान

बसें बंद, ऑटो बुलंद, सड़क पर बेबश जनता

छत्तीसगढ़ में करोड़ों रुपये खर्च कर शुरू की गई सिटी बस सेवा आज सरकारी लापरवाही और बदइंतजामी की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। आम जनता को सस्ता, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराने का दावा करने वाली सिटी बसें अब सड़कों पर नहीं, बल्कि डिपो में खड़ी-खड़ी कबाड़ बन रही हैं। राजधानी रायपुर से लेकर भिलाई तक अधिकांश रूटों पर बसों का संचालन लगभग ठप हो चुका है, जबकि हजारों यात्री रोजाना महंगे ऑटो और निजी वाहनों का सहारा लेने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देकर पेट्रोल-डीजल की बचत की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था दम तोड़ रही है। सवाल यह है कि आखिर करोड़ों की बसों को कबाड़ बनने के लिए खरीदा गया था या जनता की सुविधा के लिए? जिम्मेदार अधिकारी और शहरी यातायात सोसाइटी आखिर कब अपनी नींद से जागेंगे?

प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ी 'लाइफलाइन', करोड़ों की बसें कबाड़

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में 'शहरी यातायात सोसाइटी' और नगरीय निकायों की घोर उदासीनता ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। राज्य के 21 क्लस्टरों में आम जनता की सहूलियत के लिए 150 से 160 करोड़ के सार्वजनिक धन से खरीदी गई 451 सिटी बसें आज डिपो में खड़े-खड़े कबाड़ बन रही हैं। कोरोनाकाल में थमा इन बसों का पहिया अधिकारियों की सुस्ती और नीतिगत विफलता के कारण दोबारा सड़कों पर नहीं लौट सका। नतीजा यह है कि करोड़ों की सरकारी संपत्ति धूल खा रही है और अब इन्हें दोबारा कबाड़ से बाहर निकालने के लिए ही 15 से 20 करोड़ की अतिरिक्त मरम्मत राशि का नया वित्तीय संकट खड़ा हो गया है। प्रशासन की इस कछुआ चाल ने सरकार को भारी आर्थिक चपत लगाई है।

इस प्रशासनिक लापरवाही का सीधा खामियाजा प्रदेश की आम जनता भुगत रही है। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, प्रदूषण घटाने और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की अपील कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। सिटी बसें बंद होने से छात्र, महिलाएं और कामकाजी वर्ग महंगे ऑटो और निजी वाहनों पर निर्भर होने को मजबूर हैं। महंगाई के इस दौर में 10-20 रुपये का सफर अब 100-150 रुपये में बदल चुका है। सड़कों पर बढ़ते निजी वाहनों ने न केवल ईंधन की खपत बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि शहरों में प्रदूषण और ट्रैफिक का बोझ भी बढ़ा दिया है। जनता के टैक्स के पैसे को इस तरह सड़ते देखना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सिटी बसें कबाड़खाने में, जिम्मेदार मलाईखाने में!

नवप्रदेश विशेष

वर्तमान स्थिति और आगे का समाधान (ई-बस सेवा)

इन तमाम री-स्टार्ट के प्रयासों के बावजूद, निजी ऑपरेटरों को लगातार हो रहे घाटे, बसों के मेंटेनेंस के भारी खर्च और आपसी विवादों के कारण ये बसें कुछ ही महीनों में धीरे-धीरे दोबारा बंद हो गईं और व्यवस्था फिर से ठप हो गई।

बसों की वर्तमान स्थिति और वितरण

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण योजना और शहरी यातायात सोसाइटी के तहत छत्तीसगढ़ के प्रमुख नगरीय क्लस्टरों के लिए सैकड़ों बसें मंजूर की गई थीं।

रायपुर क्लस्टर: राजधानी रायपुर, नया रायपुर, दुर्ग, भिलाई, और राजनांदगांव के बीच कनेक्टिविटी के लिए लगभग 200 से अधिक बसें आवंटित की गई थीं।

बिलासपुर क्लस्टर: बिलासपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए भी भारी संख्या में बसें मिली थीं।

अन्य क्षेत्र: कोरबा, अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे शहरों को भी सिटी बस सेवा से जोड़ा गया था।

अब बसें कहां हैं?

वर्तमान में, इनमें से अधिकांश बसें डिपो (जैसे भिलाई का सुपेला डिपो और रायपुर के रावांभाटा डिपो) में धूल खा रही हैं। रखरखाव के अभाव, टायर-बैटरियों की चोरी और इंजन जाम होने के कारण करोड़ों रुपये की ये बसें कबाड़ में तब्दील हो चुकी हैं। केवल गिने-चुने रूटों (जैसे रायपुर-नवा रायपुर) पर कुछ बसें ही सड़क पर दिखती हैं।

कोरोनाकाल के बाद बसें चालू न होने के कारण

महामारी कोरोना के बाद सिटी बसों का पहिया जो थमा, वह दोबारा पूरी तरह नहीं घूम पाया। इसके पीछे मुख्य प्रशासनिक और वित्तीय कारण रहे हैं।

ऑपरेटरों का पीछे हटना: सिटी बसों का संचालन 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप' पर निजी ऑपरेटरों के जरिए किया जा रहा था। कोरोनाकाल में घाटा होने और लंबे समय तक बसें खड़ी रहने के कारण ऑपरेटरों ने भारी टैक्स (रोड टैक्स) और पेनल्टी की माफ करने की मांग की। सहमति न बनने पर ऑपरेटरों ने हाथ खींच लिए।

अनुबंध की शर्तें: कई शहरों में ऑपरेटरों का नगरीय निकायों के साथ अनुबंध खत्म हो गया, और नए टेंडर जारी करने में अधिकारियों ने भारी सुस्ती दिखाई।

मरम्मत का भारी खर्च: सालों तक खड़ी रहने के कारण बसों को दोबारा सड़क पर लाने के लिए प्रति बस लाखों रुपये के मेंटेनेंस की जरूरत है, जिसे उठाने के लिए न तो नगरीय निकाय तैयार हैं और न ही निजी ऑपरेटर।

आम जनता और पर्यावरण पर दोहरा प्रहार

सार्वजनिक परिवहन के ठप होने से दोहरे मोर्चे पर नुकसान हो रहा है:

आर्थिक बोझ: ऑटो और निजी टैक्सियों की मनमानी से आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग की जेब कट रही है। जो सफर 10-20 रुपये में होता था, उसके लिए अब 100-150 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

पर्यावरण और ईंधन की बर्बादी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ग्रीन मोबिलिटी' और ईंधन बचाने के आह्वान के विपरीत, लोग मजबूरी में अपने दोपहिया या चारपहिया वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। इससे शहरों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और पेट्रोल-डीजल की खपत तेजी से बढ़ी है।

समाधान और आगे की राह

- **जवाबदेही तय हो:** जिला कलेक्टरों (जो शहरी यातायात सोसाइटी के अध्यक्ष होते हैं) और नगरीय निकाय के कमिश्नरों को इस कबाड़ हो रही सरकारी संपत्ति के नुकसान का जवाब देना चाहिए।
- **विशेष बेलआउट पैकेज व री-टेंडरिंग:** राज्य सरकार को इन बसों की मरम्मत के लिए एकमुश्त राशि जारी करनी चाहिए और व्यवहारिक शर्तों के साथ नए सिरे से टेंडर आमंत्रित करने चाहिए।
- **पीएम ई-बस सेवा का एकीकरण:** केंद्र सरकार की 'पीएम-ई बस सेवा' योजना के तहत शहरों को इलेक्ट्रिक बसें मिलनी शुरू हो रही हैं। राज्य सरकार को पुरानी बसों के रूटों को इन नई ई-बसों से जोड़कर परिवहन व्यवस्था को पुनर्जीवित करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन को राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेना होगा।

राहत की नई उम्मीद (पीएम ई-बस सेवा):

पुरानी कंडम हो चुकी डीजल बसों को पूरी तरह सुधारना आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसीलिए अब प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत एक बड़ा कदम उठाया गया है:

- रायपुर के लिए 40 नई इलेक्ट्रिक लाने की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।
- अगले दो से तीन महीनों में ये आधुनिक ई-बसें रायपुर की सड़कों पर दौड़ती नजर आएंगी।
- इन बसों का संचालन नवा रायपुर, आरंग, अभनपुर और माना (एयरपोर्ट) रूट पर किया जाएगा। इसके लिए चार्जिंग पॉइंट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है, जिससे न केवल यात्रियों को सस्ती और सुरक्षित यात्रा मिलेगी, बल्कि पेट्रोल-डीजल की खपत और प्रदूषण भी कम होगा।

451 बसों की स्वीकृत राशि

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण योजना के तहत राज्य के 21 क्लस्टरों के लिए स्वीकृत 451 बसों और उनके संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर (डिपो निर्माण, बस स्टॉप आदि) के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा एक बड़ा बजट आवंटित किया गया था:

कुल स्वीकृत राशि: लगभग 150 करोड़ से 160 करोड़।

फंडिंग का पैटर्न: इस राशि में 80% हिस्सा केंद्र सरकार का और 20% हिस्सा राज्य सरकार व स्थानीय नगरीय निकायों का था।

प्रति बस अनुमानित लागत: उस समय खरीदी गई नॉन-एसी बसों की कीमत लगभग 25 लाख से 30 लाख और प्रीमियम एसी बसों की कीमत 45 लाख से 50 लाख प्रति बस थी।

प्रति एसी बस मरम्मत खर्च : दुर्ग-रायपुर एयरपोर्ट रूट जैसी प्रीमियम एसी बसों के लिए यह खर्च 6 लाख से 8 लाख तक जा रहा है।

'कबाड़' का गणित

- **घाटे का सौदा:** ऑपरेटरों का कहना है कि एक बस को 4 लाख लगाकर सुधारने के बाद भी उसकी लाइफ (उम्र) केवल 2 से 3 साल ही बचेगी।
- **टैक्स का बोझ:** लॉकडाउन अवधि के दौरान का प्रति बस 50,000 से 1,000,000 तक का रोड टैक्स और पेनल्टी बकाया है, जिसे माफ करने पर अभी तक पूरी तरह सहमति नहीं बन पाई है।
- प्रशासन अब 15-20 करोड़ की राशि पुरानी डीजल बसों की मरम्मत पर फूंकने के बजाय, केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा के तहत मिलने वाले नए ग्रांट और 100% इलेक्ट्रिक बसों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जहां संचालन का पूरा खर्च प्रति किलोमीटर के आधार पर तय होता है।

12 साल बाद भी मुंगेली को नहीं मिली सिटी बस, जनता पूछ रही

■ जनप्रतिनिधियों और प्रशासन पर फूट रहा लोगों का गुस्सा

सुशील शुक्ला

सिटी बस में आ रही रूकावटों के संबंध में चर्चा कर इसे जल्द प्रारंभ किया जायेगा। जनता को सिटी बस का लाभ मिलना चाहिए।
- **पुन्नूलाल मोहले,** विधायक, मुंगेली

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली को जिला बने लगभग 12 वर्ष बीत चुके हैं। इस दौरान शहर का तेजी से विस्तार हुआ है और चारों दिशाओं में शैक्षणिक संस्थान, सरकारी कार्यालय, स्टेडियम, कॉलेज तथा व्यवसायिक गतिविधियों के नए केंद्र विकसित हो गए हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिलेवासियों को आज भी बुनियादी सिटी बस सुविधा नसीब नहीं हो पाई है। शासन से स्वीकृति मिलने और अधिसूचना जारी होने के बावजूद सिटी बस सेवा शुरू नहीं होने से लोगों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी है।

जिला मुख्यालय में स्थित अधिकांश महत्वपूर्ण कार्यालय तीन किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं। ऐसे में आम नागरिकों, छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है। समय पर बस या ऑटो नहीं मिलने पर लोगों को मजबूरी में मनमाना किराया चुकाना पड़ता है। इससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। लोरमी मार्ग पर आईटीआई, पॉलीटेक्निक कॉलेज, लाइवलीहुड कॉलेज, रोजगार कार्यालय सहित कई संस्थान संचालित हैं। वहीं पंडरिया मार्ग पर कृषि महाविद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा छात्रावास और शासकीय कॉलेज स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आवागमन करते हैं। रायपुर और नवागढ़ मार्ग पर कॉलेज, आईटीआई, स्टेडियम तथा विभिन्न सरकारी कार्यालय हैं, जबकि बिलासपुर मार्ग पर कलेक्ट्रेट और अनेक जिला स्तरीय विभाग संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद व्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था नहीं होना प्रशासनिक उदासीनता का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक पुन्नूलाल मोहले के कार्यकाल में स्वीकृत सिटी बस योजना को जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। संचालन की जिम्मेदारी बिलासपुर नगर निगम को सौंपे जाने के बाद भी किसी ने इस दिशा में गंभीर पहल नहीं की। नागरिकों का कहना है कि सिटी बस सेवा शुरू होने से किराए में 50 प्रतिशत तक कमी आएगी और हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

पटरी पर नहीं लौट सकी सिटी बस, हरी झंडी, फोटो सेशन और गायब हुई सुविधा

जयदेव सिंह

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2015 में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा बड़े दावों और प्रचार-प्रसार के साथ शुरू की गई सिटी बस सेवा महज एक महीने के भीतर ही दम तोड़ गई। विडंबना यह है कि जिस योजना का शुभारंभ भाजपा सरकार ने स्वयं किया था, उसी सरकार के दोबारा सत्ता में आने के बाद भी उसे पुनः शुरू करने की कोई गंभीर पहल दिखाई नहीं दे रही है। परिणामस्वरूप बीते एक दशक से अधिक समय से महासमुंद शहर सहित प्रदेशभर के हजारों विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी और आम नागरिक सस्ती एवं सुलभ सार्वजनिक परिवहन सुविधा से वंचित हैं।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने, ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान-अमेरिका तनाव और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बनी अनिश्चित परिस्थितियों के बीच भी सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। इसके बावजूद महासमुंद जिले में सिटी बस सेवा को लेकर सरकार और प्रशासन की उदासीनता सवालों के घेरे में है।

नेताओं ने दिखाई थी हरी झंडी, एक महीने बाद बसें ही गायब हो गई

20 नवंबर 2015 को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने पूरे उत्साह के साथ सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया था। बसों को हरी झंडी दिखाई गई, नेताओं ने बसों में बैठकर यात्रा की, फोटो और सेल्फी भी खिंचवाई। उस समय इसे शहर के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया गया था, लेकिन उद्घाटन के कुछ ही सप्ताह बाद बसें सड़कों से गायब हो गईं। जिस सेवा को शहरवासियों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शुरू किया गया था, वह देखते ही देखते बंद हो गई। इसके बाद न तो प्रशासन ने कोई जवाबदेही तय की और न ही जनप्रतिनिधियों ने इसे पुनः शुरू कराने के लिए गंभीर प्रयास किए।

एक दशक से उठ रही मांग

सामाजिक संगठनों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों द्वारा समय-समय पर सिटी बस सेवा शुरू करने की मांग उठाई जाती रही है। बावजूद इसके सरकार और प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि यदि महासमुंद से बागबाहरा, पिथौरा, फिंगेश्वर, राजिम और आरंग तक सिटी बस सेवा संचालित की जाए तो हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

शहर बढ़ रहा, सुविधा शून्य

महासमुंद शहर का विस्तार लगातार हो रहा है। नए आवासीय क्षेत्र विकसित हो रहे हैं और शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विस्तार हो रहा है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। जिले के विभिन्न ब्लॉकों और बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों को।

बदइंतजामी: कबाड़ के भाव बिकेंगी शहर की 13 एसी सहित 48 सिटी बसें

ईश्वर चंद्रा

कोरबा/नवप्रदेश। औद्योगिक नगरी कोरबा और इसके उपनगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की रीढ़ मानी जाने वाली 'सिटी बस सेवा' नगर निगम की घोर लापरवाही और लचर इच्छाशक्ति के कारण पूरी तरह दम तोड़ चुकी है। अर्बन सोसायटी के सहयोग से करोड़ों रुपयों की लागत से खरीदी गई 48 सिटी बसें अब कबाड़ के भाव बिकने की कगार पर हैं। निगम प्रशासन ने सुध लेने के बजाय अब इन्हें नीलाम करने के लिए शासन से अनुमति मांगी है। आठ साल पहले शुरू हुई इस रियायती यात्रा सुविधा के बंद होने से कॉलेज के छात्र-छात्राओं, कामकाजी महिलाओं, श्रमिकों और अस्पताल आने वाले गरीब मरीजों के सामने आवागमन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

अमलीजामा नहीं पहन सकीं योजनाएं: वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान थमे इन बसों के पहिए लॉकडाउन हटने के बाद भी दोबारा गति नहीं पकड़ सके। दो साल तक डिपो में खड़ी-खड़ी इन बसों की बैटरियां सड़ गईं और कीमती कलपुर्जे जाम हो गए। बाद में कर्मचारियों के वेतन विवाद और फिर एक निजी संस्था को संचालन सौंपने का पैचवर्क भी नाकाम रहा। अंततः डेढ़ साल बाद निजी ऑपरेटर ने भी घाटे और बदइंतजामी का हवाला देकर हाथ खड़े कर दिए।

सड़क पर दौड़ते यमदूत' अनफिट निजी बसों के भरोसे जनता की जान: रियायती सिटी बसें बंद होने का सीधा फायदा निजी बस ऑपरेटरों को मिल रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दौड़ रही कई निजी बसें पूरी तरह अनफिट हैं और उनके पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट तक नहीं हैं। प्रशासन इन अनफिट बसों पर कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है।

10 के सफर के लिए चुकाने पड़ रहे 30 रुपए

- सिटी बसों के पहिए थमते ही शहर के भीतर ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी और दादागीरी चरम पर पहुंच गई है। जिन रूटों पर सिटी बसें मात्र 10 रुपये में सफर तय कराती थीं, वहां अब यात्रियों से 30 से 40 रुपये तक वसूले जा रहे हैं।
- **रूट प्रभावित:** आरपी नगर, एमपी नगर और सीएसईबी चौक से जिला अस्पताल जैसे व्यस्तम रूटों पर अब यात्रियों के पास ऑटो बुक करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।
- **देर रात लूट:** रेलवे स्टेशन से मुख्य शहर तक आने वाले यात्रियों से देर रात 50 से 60 रुपये तक की मनमानी वसूली की जा रही है, जिससे आम जनता की जेब पर भारी डाका पड़ रहा है।

नीलामी के लिए मांगी गई है अनुमति

'सिटी बसों का संचालन करने वाली संस्था ने हाथ खड़े कर बसों को सरेंडर कर दिया है। चूंकि ये बसें अब पुरानी और कंडम हो चुकी हैं, इसलिए इन्हें नीलाम करने के लिए शासन से अनुमति मांगी जा रही है। शहरवासियों को बेहतर परिवहन देने के लिए प्रतीक्षा बस स्टैंड में चार्जिंग पॉइंट का काम चल रहा है और आगामी मार्च से ई-बस सेवा अनिवार्य रूप से शुरू कर दी जाएगी।'
- **आशुतोष पांडेय,** आयुक्त, नगर निगम, कोरबा

गैरजिम्मेदारी: मोतीतालाब पारा यार्ड में वर्षों से खड़ी बसें जंग खाकर हो रहीं बेकार, जनता के पैसों की बर्बादी

करोड़ों की सिटी बसें कबाड़ में तब्दील, जगदलपुर में जनसुविधा ठप

■ सिटी बस सेवा बंद होने से छात्रों, व्यापारियों और आम लोग परेशान

अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहर की आम जनता को सस्ती और सुगम यातायात सुविधा देने के उद्देश्य से शुरू की गई सिटी बस सेवा आज पूरी तरह बंद होकर सरकारी लापरवाही की मिसाल बनती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर खरीदी गई सिटी बसें मोतीतालाब पारा स्थित यार्ड में वर्षों से अनुपयोगी हालत में खड़ी-खड़ी कबाड़ में तब्दील होती जा रही हैं। बारिश,रख-रखाव की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण

बसों में जंग लग चुकी है, जबकि कई बसें अब पूरी तरह संचालन योग्य नहीं बची हैं।

यार्ड में खड़ी बसों की स्थिति बदहाल दिखाई देती है। कुछ बसों के टायर गायब हैं, तो कई बसों की सीटें भी नहीं बची हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश सीटें लोगों के घरों में सोफा सेट के रूप में उपयोग की जा रही हैं। वर्षों से खुले में खड़ी बसें धीरे-धीरे सड़ रही हैं, जिससे करोड़ों रुपये की सार्वजनिक संपत्ति बर्बादी की ओर बढ़ गई है।

बताया जाता है कि कोरोना काल के दौरान सुरक्षा कारणों से सिटी बस सेवा बंद कर दी गई थी,लेकिन महामारी का असर समाप्त होने के बाद भी बसें दोबारा सड़कों पर नहीं लौट सकीं। रख-रखाव और संचालन को लेकर गंभीर पहल नहीं होने से पूरी व्यवस्था ठप पड़ गई। परिणामस्वरूप शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आवागमन करने वाले नागरिकों को निजी साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है। सिटी बस सेवा बंद होने का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों, छोटे व्यापारियों,दैनिक यात्रियों और नौकरीपेशा लोगों पर पड़ा है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी आने-जाने वाले छात्रों को अब ऑटो का महंगा किराया चुकाकर सफर करना पड़ता है। धरमपुरा सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दैनिक आवाजाही करने वाले लोगों के सामने निजी ऑटो और टैक्सी ही विकल्प बचा है, जिससे जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

जनता पूछ रही सवाल, करोड़ों खर्च के बाद जवाबदेही किसकी?

मोतीतालाब पारा यार्ड में खड़ी सिटी बसों की दुर्दशा को लेकर अब लोगों के बीच सवाल उठने लगे हैं कि आखिर करोड़ों रुपये खर्च कर खरीदी गई बसों को कब तक यूं ही कबाड़ बनने के लिए छोड़ा जाएगा। नागरिकों का कहना है कि यदि समय पर रख-रखाव और संचालन पर ध्यान दिया जाता, तो आज शहर को सस्ती सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिल सकती थी। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि प्रशासन सिटी बस सेवा को दोबारा शुरू करने के लिए कोई ठोस पहल करता है या नहीं।

डॉ. रमन ने शुरू किया, भूपेश ने बंद किया

प्रदेश में डॉ. रमन सिंह सरकार में 2015 को सिटी बस का संचालन शुरू हुआ था। उस दौरान नगर सरकार कांग्रेस के हाथों थी और जतिन जायसवाल महापौर थे। अलग-अलग रूटों में आधा दर्जन से अधिक बसों का संचालन हो रहा था। प्रदेश में भूपेश बघेल की सरकार आने के बाद और 2018 में कोरोना महामारी के बाद सिटी बसों का संचालन बंद हो गया। हालांकि कोरोना के बाद बंद सिटी बसों का संचालन किया जाना था, लेकिन नहीं किया गया।
- **संजय पांडे,** महापौर, जगदलपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com